संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 159
पृष्ठ 8
बुधवार
26 फरवरी 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बच्चों को किस उम्र में कौन से...

विचार- अमेरिकी अपमान पर प्रधानमंत्री...

खेल- कोहली से बेहतर वनडे खिलाड़ी...

पीएम मोदी ने कहा- असम स्टार्टअप का गंतव्य बन रहा है, जल्द ही पूर्वोत्तर के लिए विनिर्माण केंद्र बन जाएगा

अनिश्चितताओं के इस दौर में भी दुनिया को भारत की तीव्र आर्थिक वृद्धि पर भरोसा: मोदी

गुवाहाटी, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि दुनिया भर में इस समय फैले अनिश्चितता के वातावरण के बावजूद भारत की तीव्र आर्थिक वृद्धि को लेकर जानकार आश्वस्त हैं। श्री मोदी ने कहा कि यह भरोसा देश की सुधारवादी नीतियों, हुनरमंद एवं नवाचारी युवा वर्ग, उभरते नव–मध्यवर्ग और राजनीतिक स्थिरता तथा नीतिगत निरंतरता के प्रति देश की 140 करोड़ आबादी के समर्थन को देख कर बना है। श्री मोदी असम सरकार द्वारा गुवाहाटी में आयोजित वैश्विक निवेश सम्मेलन–एडवांटेज असम का उद्घाटन कर रहे थे। सम्मेलन में दुनिया भर से निवेशक, नीति निर्माता और राजनयिक भाग ले रहे हैं। श्री मोदी ने कहा, "आज हम वैश्विक परिस्थितियों को बारीकी से देख रहे हैं। .....वैश्विक अनिश्चितताओं के वातावरण में एक बात निश्चित है कि जानकार भारत की तेज ग्रोथ (तीव्र आर्थिक वृद्ध) को लेकर भरोसा कर रहे हैं। इस भरोसे के ठोस कारण हैं।" उन्होंने कहा कि आज का भारत अगले 25 साल में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के एक सपने को लेकर एक के बाद एक नये–नये फैसले कर रहा है। संपर्क सुविधाओं का विस्तार कर रहा है। दुनिया को भारत की युवा आबादी पर भरोसा है, जो तेजी से कौशल–सम्पन्न और नवाचारी हो रही है। भारत में एक नया मध्यम वर्ग उभर रहा है। देश की 140 करोड़ जनता है, जो राजनीतिक स्थिरता और नीतियों में निरंतरता के साथ खड़ी है। देश में सुशासन के साथ–साथ सुधार जारी हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, "आज भारत अपनी स्थानीय आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत कर रहा है और दुनिया भर के विभिन्न क्षेत्रों के साथ मुक्त व्यापार समझौते कर रहा है। पूर्वी एशिया के साथ हमारे संबंध मजबूत हो रहे हैं और भारत–मध्य पूर्व (पश्चिम एशिया)–यूरोप आर्थिक गलियारा नये अवसर पैदा कर रहा है।" प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने अपने विनिर्माण क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिये मिशन मोड पर काम शुरू किया है। उन्होंने कहा, "हम मेक इन इंडिया के तहत लो कॉस्ट मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा दे रहे हैं।" उन्होंने कहा कि भारत आर्थिक विकास के साथ–साथ पारिस्थितिकीय संतुलन पर भी ध्यान दे रहा है। श्री मोदी ने कहा, "पिछले 10 वर्षों में भारत ने अपनी पर्यावरणीय जिम्मेदारियों को निभाया भी नीतिगत निर्णय के लिए। दुनिया हमारे नवीकरणीय ऊर्जा मिशन को एक आदर्श परिपाटी के रूप में अपना रही है।" पूर्वोत्तर क्षेत्र के बारे में उन्होंने कहा, "पूर्वी भारत और नॉर्थईस्ट की भूमि आज एक नये भविष्य की शुरूआत करने जा रही है। एडवांटेज असम सम्मेलन पूरी दुनिया को असम की संभावनाओं और प्रगति से जोड़ने का एक महाअभियान है।" उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि पहले भी भारत की समृद्धि में पूर्वोत्तर भारत की बहुत बड़ी भूमिका हुआ करती थी। आज जब भारत विकसित होने की तरफ बढ़ रहा है, तो एक बार फिर हमारा ये पूर्वोत्तर अपना सामर्थ्य दिखाने जा रहा है और इसमें असम का योगदान लगातार बढ़ रहा है। श्री मोदी ने कहा कि 2018 में एडवांटेज असम का पहला संस्करण लॉन्च किया गया था। तब असम की अर्थव्यवस्था लगभग 2.75 लाख करोड़ रुपये थी, जो अब छह लाख करोड़ रुपये हो गयी है। इसका मतलब है कि भाजपा सरकार के तहत असम की अर्थव्यवस्था छह साल में दोगुनी हो गयी है। यह डबल इंजन वाली सरकार के दोहरे प्रभाव को दर्शाता है। उन्होंने आकड़ों के सहारे अपनी बात रखते हुए कहा कि असम में 2009 से 2014 के बीच रेल बजट औसतन 2,100 करोड़ रुपये प्रति मील था। हमारी सरकार ने असम के रेलवे बजट को चार गुना बढ़ाकर 10,000 करोड़ रुपये पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि सरकार देश के बुनियादी ढांचे पर भी बहुत बड़ा निवेश कर रही है। संस्थागत सुधार, उद्योग, बुनियादी ढांचा और नवाचार भारत की प्रगति का आधार है। इसलिए निवेशक किसी भी देश की क्षमता को देखते हैं कि उनकी और देश की प्रगति की संभावनायें बदल रही हैं। इस प्रगति में असम में भी डबल इंजन की स्पीड में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि असम ने 2030 तक सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) 143 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा, "मुझे इस लक्ष्य को हासिल करने का पूरा भरोसा है। मुझे लोगों की क्षमताओं और राज्य सरकार की प्रतिबद्धता पर भरोसा है। असम दक्षिण पूर्व एशिया और भारत के बीच एक प्रमुख प्रवेश द्वार के रूप में उभर रहा है। इस क्षमता को बढ़ाने के लिए, सरकार ने पूर्वोत्तर औद्योगिकीकरण परिवर्तन योजना, उन्नति शुरू की है।" उन्होंने कहा कि असम की क्षमताओं का एक उदाहरण असम चाय है। इस ब्रांड ने 200 साल पूरे कर लिये हैं। यह विरासत असम को अन्य क्षेत्रों में भी उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित करती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि असम सेमीकंडक्टर विनिर्माण के एक केंद्र के रूप में उभर रहा है। हाल में टाटा समूह ने असम के जागीरोड में एक उन्नत सेमीकंडक्टर एसेम्बली संयंत्र का काम शुरू किया है।

सपा सरकार में केवल उनकी पार्टी से जुड़े लोगों को सहायता मिली : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को विधान परिषद में समाजवादी पार्टी (सपा) की पूर्ववर्ती सरकार और अपने नेतृत्व वाली सरकार की तुलना करते हुए आरोप लगाया कि सपा सरकार में केवल समाजवादी पार्टी से जुड़े लोगों को पैसे (सरकारी सहायता) मिलते थे, लेकिन वर्तमान सरकार संवेदनशील तरीके से उत्तर प्रदेश के हर व्यक्ति के लिए काम कर रही है। विधानमंडल के बजट सत्र के छठे दिन विधान परिषद में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष के सवालों का जवाब देते हुए कहा आज किसी भी गरीब के लिए अपना उपचार कराना कठिन नहीं रहा। प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना, मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत अकेले उप्र में 10 करोड़ लोगों को प्रति वर्ष पांच लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा का कवर मिलता है। उन्होंने कहा कि सरकारी कर्मचारियों के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय कैशलेस स्वास्थ्य स्कीम के तहत निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि विधान परिषद सदस्य को प्रतिवर्ष अपनी निधि से पीड़ित व्यक्ति को एक निश्चित धनराशि देने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पिछले पौने आठ वर्ष के अंदर जो धनराशि दी गयी है, वह बिना भेदभाव के दी गई है। उन्होंने कहा "अगर जिलाधिकारी तीन दिनों के भीतर रिपोर्ट देता है तो उसी आधार पर धनराशि तत्काल प्रेषित कर दी जाती है। योगी ने आरोप लगाया समाजवादी पार्टी की सरकार के समय बराबर यह चर्चा होती थी कि केवल समाजवादी पार्टी से जुड़े लोगों को पैसा मिलता था शेष को नहीं। सदन में विपक्षी सदस्यों की ओर लक्ष्य करके उन्होंने कहा आपके समय क्या होता था? हर कार्य को समाजवादी नाम दे दिया जाता था। बस सेवा भी..., पैसा सरकारी लेकिन उसका नाम समाजवादी बस सेवा। पैसा सरकार का लेकिन समाजवादी पेंशन स्कीम। ऐसे ही सरकारी पैसा समाजवादी हो गया था। आदित्यनाथ ने कहा वर्तमान सरकार संवेदनशील तरीके से उत्तर प्रदेश के हर व्यक्ति के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा "हमारी सरकार पैसे की और आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त धनराशि उपलब्ध कराती है। उन्होंने कहा कि आजादी से लेकर 2017 तक उप्र में केवल 17 मेडिकल कालेज थे लेकिन आज हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज है। "मेडिकल कालेज भी बने हैं, बहुत सी जगह अच्छे चिकित्सा शिक्षक भी तैनात किये गये हैं। आदित्यनाथ ने संजय गांधी अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ (एसजीपीजीआई) में किये गये कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी सरकार ने एसजीपीजीआई में आठ नये विभागों का गठन किया है।

सांस्कृतिक संचार का सबसे बड़ा उत्सव है कुंभ: प्रो.संजय द्विवेदी

भोपाल, एजेंसी। भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) के पूर्व महानिदेशक प्रो.संजय द्विवेदी का कहना है कि कुंभ सांस्कृतिक संचार, राष्ट्र की एकता और समाज के सनातनबोध का सबसे बड़ा उत्सव है। यह भारतबोध कराने का अनुष्ठान है। वे बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी में 'महाकुंभ में विज्ञान, अध्यात्म और परंपरा' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के शुभारंभ सत्र

को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. गिरीश चंद्र त्रिपाठी, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मुकेश पाण्डेय, प्रो. आर.के. सैनी, डा. गौरी खानविलकर, प्रो. मुन्ना तिवारी और डा. प्रकाश चंद्रा ने भी संबोधित किया। प्रो. द्विवेदी ने कहा कि अंतिम व्यक्ति तक कुंभ का संदेश सदियों से बिना विकृत हुए यथारूप पहुंचता था। आज संचार साधनों की बहुलता में संदेश का उसी रूप में पहुंचना कठिन होता है। या तो संदेश की पहुंच में समस्या होती है, या उसके अर्थ बदल जाते हैं और उनकी पवित्रता नष्ट हो जाती है। किंतु प्राचीन समय की संवाद और संचार व्यवस्था इतनी ताकतवर थी कि समाज के सामने कुंभ के संदेश और वहां मिला पाथेय यथारूप पहुंचता था। प्रो. द्विवेदी ने कहा कि कुंभ हमारे सांस्कृतिक राष्ट्र की समाज व्यवस्था का एक अनिवार्य अंग हैं, जिसके माध्यम से राष्ट्र अपने संकटों के समाधान खोजता रहा है। इन्हीं रास्तों से गुजरकर हम यहां तक पहुंचे हैं। ऋषि परंपरा के उत्तराधिकारी होने के नाते हर संकट में उनका पाथेय ही हमारा संबल बना है।

तोड़फोड़ के मामलों में वाईएसआरसीपी नेताओं को सुप्रीम कोर्ट ने दी अग्रिम जमानत

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने 2021 में मंगलागिरी में तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के केंद्रीय कार्यालय में कथित रूप से तोड़फोड़ करने से संबंधित मामले में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) की विजयवाड़ा पूर्व इकाई के समन्वयक देवीनेनी अविनाश समेत कई नेताओं को मंगलवार को अग्रिम जमानत दे दी। इससे पहले, आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने इसी मामले में उनकी याचिका खारिज कर दी थी। श्री अविनाश पर अक्टूबर 2021 में वाईएसआरसीपी शासन के दौरान मंगलागिरी में सत्तारूढ़ तेदेपा के केंद्रीय कार्यालय एनटीआर भवन में कथित रूप से तोड़फोड़ करने का आरोप लगाया गया था। वह पिछले साल सितंबर से अंतरिम संरक्षण में हैं। उन पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप हैं। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने 2021 में मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के उंडावल्ली आवास में कथित तोड़फोड़ के सिलसिले में पूर्व मंत्री एवं विधायक जोगी रमेश को भी अग्रिम जमानत दे दी। श्री अविनाश की तरह ही श्री रमेश भी अंतरिम संरक्षण में थे। उन पर आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप हैं। अदालत ने याचिकाकर्ताओं को जांच में पूरा सहयोग करने का निर्देश दिया और चेतावनी दी कि किसी भी तरह का सहयोग न करने पर जमानत आदेश रद्द कर दिया जाएगा।

साइबर हमलों जैसी गैर पारंपरिक चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार रहे तटरक्षक बल: राजनाथ

नयी दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तटरक्षक बल से साइबर हमलों, डेटा चोरी, सिग्नल और राडार जैमिंग जैसी गैर पारंपरिक चुनौतियों से निपटने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी अपनाने तथा इन स्थितियों से निपटने के लिए हमेशा तैयार रहने को कहा है। श्री सिंह ने मंगलवार को यहां तटरक्षक बल के अलंकरण समारोह में वीरता, विशिष्ट सेवा और उल्लेखनीय सेवा के लिए 32 कर्मियों को पदकों से सम्मानित किया। इनमें राष्ट्रपति के छह तटरक्षक पदक, 11 तटरक्षक पदक (वीरता) और 15 तटरक्षक पदक शामिल हैं। रक्षा मंत्री ने इस अवसर पर वीरता के लिए तटरक्षक पद से सम्मानित कमांडेंट सौरभ (मरणोपरांत) को नमन किया तथा उन्हें श्रद्धांजलि भी दी। उन्होंने कहा कि बदलते समय में तटरक्षक बलों की चुनौतियां भी बदल रही हैं इसलिए बल को अपने आपको इनसे निपटने में सक्षम बनाकर हमेशा तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा , " हमारे सामने वर्षों से, जो पारंपरिक खतरे उभर रहे हैं, उनको दूर करने के लिए आप सभी हमेशा चौकस रहते हैं। लेकिन जैसे–जैसे समय बदल रहा है, हमारे सामने अब चुनौतियां भी अलग तरीके की आ रही हैं। उन्नत प्रौद्योगिकी के इस दौर में, हमारे सामने ऐसी चुनौतियां भी आ रही हैं, जो गैर पारंपरिक हैं।तटरक्षक बल को साइबर हमले, डेटा चोरी, सिग्नल जैमिंग, रडार में व्यवधान और जीपीएस धोखे जैसे अनेक प्रौद्योगिकी खतरे से को दो–चार होना पड़ रहा है।" उन्होंने कहा कि कहने का अर्थ यह है कि तटरक्षक बल के सामने, एक ओर पारंपरिक खतरे हैं, तो दूसरी ओर नये उभरते खतरे भी हैं। यानी आपको दोनों ही तरीके से चौकस रहने की जरूरत है। रक्षा मंत्री ने कहा कि आने वाले समय में जिस सशक्त और समृद्ध भारत की संकल्पना की जा रही है उसकी राह सभी बलों के सशक्तीकरण से होकर जाती है। उन्होंने कहा , "हमारी सशक्त सुरक्षा को मैं, सशक्त कृषि, सशक्त शिक्षा, सशक्त स्वास्थ्य, सशक्त अर्थव्यवस्था, सशक्त विज्ञान और प्रौद्योगिकी और संपूर्ण राष्ट्रीय और सामाजिक सशक्तीकरण से जोड़कर देखता हूँ। हमारे सपनों का भारत तभी सशक्त हो सकेगा, जब हमारी सुरक्षा व्यवस्था और हमारे सुरक्षा बल सशक्त होंगे। " श्री सिंह ने कहा कि सरकार तटरक्षक बल की कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

सैन्य संचालन महानिदेशक ने मणिपुर में तैयारियों की समीक्षा की

नयी दिल्ली, एजेंसी। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाये जाने के बाद स्थिति को सामान्य बनाये जाने के प्रयासों के बीच सेना के सैन्य संचालन महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने राज्य में सुरक्षा की स्थिति की जानकारी ली और सेना की तैयारियों समीक्षा की है। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को यहां बताया कि दो दिन की यात्रा पर सोमवार को मणिपुर पहुंचे लेफ्टिनेंट जनरल घई ने राज्यपाल अजय कुमार भल्ला, राज्य सुरक्षा सलाहकार, मणिपुर के मुख्य सचिव और मणिपुर के पुलिस महानिदेशक से मुलाकात की। उन्होंने सेना के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सेना की परिचालन तैयारियों , भारत–म्यांमार सीमा पर सुरक्षा स्थिति और सीमांत क्षेत्रों सहित राज्य में मौजूदा सुरक्षा स्थिति का आकलन किया। उन्होंने प्रमुख हितधारकों के साथ बातचीत के दौरान 'संपूर्ण सरकार दृष्टिकोण' पर भी जोर दिया।

अंबेडकर की फोटो को पुनःस्थान देने को लेकर विरोध–प्रदर्शन जारी रहेगा: आतिशी

नयी दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता एवं दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने मंगलवार को कहा कि दिल्ली सरकार के कार्यालयों में बाबा साहेब डॉ भीम राव अंबेडकर के चित्र को पुनः उसके समुचित स्थान पर लगाये जाने की मांग को लेकर उनकी पार्टी धरना–प्रदर्शन जारी रखेगी। सुश्री आतिशी ने इस मुद्दे पर विधानसभा परिसर में 'आप' विधायकों के प्रदर्शन के बीच मीडिया से बातचीत में कहा, "हम मुख्यमंत्री कार्यालय में

बाबा साहेब के फोटो को हटाए जाने के खिलाफ सदन से लेकर सड़क तक प्रदर्शन करते रहेंगे। यह प्रदर्शन तब तक चलेगा, जब तक कि बाबा साहेब की तस्वीर को उचित स्थान पर पुनः नहीं लगा दिया जाता है।" उन्होंने कहा, "आज नरेन्द्र मोदी जी (प्रधानमंत्री) बाबा साहेब से बड़े हो गए हैं।" इस मुद्दे पर सुबह विधानसभा में उप–राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के अभिभाषण के दौरान 'आप' के सदस्यों ने जोरदार हंगामा किया, जिसके कारण अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता रिपीट विजेन्द्र गुप्ता ने लगभग 12 विधायकों को दिनभर के लिये निलंबित कर दिया। हंगामा कर रहे कई विपक्षी विधायकों को मार्शल से सदन के बाहर करा दिया गया था। इसके बाद, 'आप' के विधायक विधानसभा परिसर में नारेबाजी करते हुये धरने पर बैठ गये थे, जिसमें श्रीमती आतिशी भी शामिल थीं।

उन्नाव में सड़क हादसे में दो बच्चों समेत एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत

उन्नाव, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले के बांगरमऊ इलाके में आगरा–लखनऊ एक्सप्रेसवे पर हुई एक सड़क दुर्घटना में दो बच्चों और उनके पिता की मौत हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार यह दुर्घटना सुबह बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र में हुई, जब एक कार नियंत्रण खोकर डिवाइडर को पार कर गई और विपरीत दिशा से आ रहे टेंपो ट्रैवलर से टकरा गयी। बांगरमऊ के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) अरविंद कुमार ने कहा, सुबह करीब साढ़े पांच बजे पुलिस को दुर्घटना की जानकारी मिली। आगरा से लखनऊ जा रही एक सेंट्रो कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर पार कर सामने से आ रहे टेंपो ट्रैवलर से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी की टेंपो ट्रैवलर पलट गया।" उन्होंने बताया कि इस हादसे में कार सवार एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गयी जबकि टेंपो ट्रैवलर में सवार यात्री मामूली रूप से घायल हुए हैं।

सज्जन कुमार को आजीवन कारावास की सजा

1984 सिख दंगों में बाप–बेटे को लजदा जलाने का मामला

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने 1984 के सिख विरोधी दंगों, विशेष रूप से सरस्वती विहार हिंसा मामले में उनकी भूमिका के लिए पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। यह कुमार को दी गई दूसरी आजीवन कारावास की सजा है, जो पहले से ही दिल्ली छावनी दंगा मामले में शामिल होने के लिए सजा काट रहे हैं। पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार को 12 फरवरी को दंगा, गैरकानूनी सभा और हत्या आदि से संबंधित धाराओं के तहत दोषी ठहराया गया था। इससे पहले सिख विरोधी दंगों से संबंधित हत्या के एक मामले में अभियोजन पक्ष ने कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार के लिए मृत्युदंड की अपील की और इसे 'दुर्लभतम' अपराध करार दिया थ। कुमार फिलहाल तिहाड़ जेल में बंद हैं। जसवंत सिंह और उनके बेटे तरुणदीप सिंह की एक नवंबर 1984 को हत्या कर दी गयी थी। हत्या के सिलसिले में पंजाबी बाग थाने ने मामला दर्ज किया था लेकिन बाद में एक विशेष जांच दल ने जांच की जिम्मेदारी ले ली थी। अदालत ने 16 दिसंबर 2021 को कुमार के खिलाफ आरोप तय किए और उनके खिलाफ 'प्रथम दृष्टया' मामला पाया। कांग्रेस के उस समय के प्रभावशाली नेता और सांसद रहे कुमार वर्ष 1984 में एक और दो नवंबर को दिल्ली की पालम कॉलोनी में पांच लोगों की हत्या के मामले में आरोपी थे।

25 वें महाकाल महोत्सव में दिव्य व भव्य हुआ भयहरण नाथ धाम

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में 25 वें महाकाल महोत्सव के अवसर पर दिव्य और भव्य रूप से महाशिवरात्रि का पावन पर्व जन सहयोग तथा लोक भागीदारी से मनाया जा रहा है। पुलिस व कार्यकर्ताओ की उतम व्यवस्था है। महाशिवरात्रि के मेले में भारी भीड़ के मद्दे नजर महासचिव समाज शेखर ने प्रबन्ध समिति से चर्चा करके मंचीय कार्यक्रमो को स्थगित कर दिया। महासचिव समाज शेखर ने सभी पदाधिकारियो व कार्यकर्ताओ को पुलिस व

प्रशासन के साथ मिलकर अपनी अच्छी सेवाएं देने की अपील की। उन्होंने चौकी प्रभारी गणेश पटेल तथा मेला व मंदिर समितियों के साथ बैठक कर आवश्यक रणनीति तय की। कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र को नियंत्रण कक्ष व भूला भटका शिविर से सभी व्यवस्था मे सहयोग करने की जिम्मेदारी दी गई है। भीड़ नियंत्रण व यातायात प्रबन्धन हेतु 5 बैरियर बनाये गए है। प्रयागराज से आने वाले वाहनो को दुर्गागंज की बाग के आगे से नियंत्रित किया जायेगा। वहीं कतरा गुलाब सिंह बाजार व पूरे तोरई से आने वाले वाहनो को मुखिया की बाग में से नियंत्रित किया जायेगा। आई कार्ड के साथ कार्यकर्ता निष्ठा के साथ अपनी जिम्मेदारी निभा रहे है। भारी भीड़ व सुव्यवस्था की दृष्टि से प्रबन्ध समिति ने मंचीय कार्यक्रमो को स्थगित कर सभी को व्यवस्था में सहयोग करने की अपील की गई।

'लोकपर्व सूफी भजन, लोकभजन एवं जनजातीय लोकरंगों की लोक रंजक प्रस्तुतियाँ'

प्रयागराज। मन के तारों को झंकृत करने वाली सूफी संगीत, भजन, मालवी व बुन्देली लोकगायकी तथा मध्य प्रदेश के आदिम जनजातीय लुप्तप्राय नृत्यों की प्रस्तुतियॉ ''लोक पर्व'' की सांस्कृतिक संध्या में उपस्थित श्रोताओं को भारतीय लोक संस्कृति की निर्मल रसधारा से संजीवित और बहुवर्णी लोकरंगों से जोड़ती रही। मध्य प्रदेश संस्कृति विभाग द्वारा महाकुम्भ के सेक्टर सात स्थित मध्य प्रदेश मडप में सांस्कृतिक संध्या का शुभारम्भ टीकमगढ़ के पवन तिवारी के 'एक बार जो रघुबर की नजरों से इषारा हो जाये तथा कुम्भ–कुम्भ में महाकुम्भ' से हुआ।

प्रयागराज जंक्शन पर बढ़ी भीड़, देर शाम इमरजेंसी प्लान लागू, रात आठ बजे तक चलाई गई 265 ट्रेनें

प्रयागराज। महाशिवरात्रि के दो दिन पूर्व उमड़ी भीड़ से प्रयागराज जंक्शन पर सोमवार देर शाम से इमरजेंसी प्लान लागू कर दिया गया। इस दौरान जानसेनगंज से प्रयागराज जंक्शन जाने वाला रास्ता पुलिस ने बंद कर दिया।

महाशिवरात्रि के दो दिन पूर्व उमड़ी भीड़ से प्रयागराज जंक्शन पर सोमवार देर शाम से इमरजेंसी प्लान लागू कर दिया गया। इस दौरान जानसेनगंज से प्रयागराज जंक्शन जाने वाला रास्ता पुलिस ने बंद कर दिया। मेला क्षेत्र से आने वाले श्रद्धालु जानसेनगंज से चौक, कोतवाली, नखास कोहना, खुल्दाबाद के रास्ते खुसरोबाग डायवर्ट कर दिए गए। खुसरोबाग से ही यात्रियों को जंक्शन की ओर भेजा गया। इस वजह से श्रद्धालुओं को काफी परेशानी हुई।

इस बीच रेलवे द्वारा रात आठ बजे तक 265 नियमित और रेगुलर ट्रेनों का संचालन किया गया। महाशिवरात्रि को

लेकर पहले से ही अधिक भीड़ की संभावना जताई जा रही है। इससे पहले सोमवार को प्रयागराज जंक्शन, नैनी, छिवकी, झूंसी, प्रयाग स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ बढ़नी शुरू हो गई। शाम होते–होते प्रयागराज जंक्शन यात्रियों से ठसाठस हो गया। इसके बाद रेलवे अफसरों ने इसका अलर्ट जारी किया और शाम छह बजे से ही इमरजेंसी प्लान लागू कर दिया।

इस बीच खुसरोबाग यात्रियों के लिए खोला गया। सिविल लाइंस, पानी की टंकी से आने वाले यात्री खुसरोबाग के अंदर भेजे जाने लगे। इसे लेकर यात्रियों की पुलिस कर्मियों से खूब बहस भी हुई। बिहार के सासाराम निवासी मनीष कुमार सोनू ने कहा कि स्टेशन पास में ही है तो खुसरोबाग के अंदर क्यों भेजा जा रहा है। इसी तरह इटावा के बीडी पांडेय ने भी पुलिस के समक्ष नाराजगी जताई।

उधर, जानसेनगंज चौराहे पर भी जाम की वजह से पुलिस ने लीडर रोड होकर जंक्शन जाने वाला रास्ता बंद कर दिया। यहां भी लोगों की पुलिस से खूब बहस हुई। बताया गया कि जंक्शन पर भीड़ काफी हो गई है। यात्रियों की सुरक्षा के लिए ही डायवर्जन लागू किया गया है। उत्तर मध्य रेलवे के सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि भीड़ की वजह से ही इमरजेंसी प्लान लागू किया गया।

साथ ही ऑन डिमांड ट्रेनें शहर के सभी स्टेशनों से चलाई जा रही हैं। सोमवार की रात आठ बजे तक कुल 265 ट्रेनों में 140 विशेष ट्रेनें चलीं। इस दौरान 68 का संचालन प्रयागराज जंक्शन से हुआ। छिवकी से 20, नैनी से 16, सूबेदारगंज से 02 स्पेशल ट्रेनें चलीं। इसी तरह झूंसी से 18, प्रयाग से 09, रामबाग से 04 एवं फाफामऊ से 03 स्पेशल ट्रेनें चलाई गईं।

प्रयागराज आने वाली तमाम ट्रेनों में सोमवार को लोगों की खूब भीड़ रही। बिहार, पश्चिमी यूपी, पूर्वांचल से आने वाली ट्रेनों के दरवाजे पर लटक कर लोग यहां पहुंच रहे हैं। जगह न मिलने की वजह से बाथरूम में सफर के लिए यात्री मजबूर हो रहे हैं।

वहीं स्टेशन पर प्रवेश करने के लिए भी यात्रियों के बीच खूब धक्कामुक्की हो रही है। सोमवार की शाम भी यात्री आश्रय स्थल तीन पर भीड़ बढ़ने के बाद यात्रियों के बीच धक्का मुक्की हुई। इस दौरान आरक्षित टिकट वाले यात्रियों को जंक्शन पर गेट नंबर पांच से प्रवेश दिया गया।

नीलकंठ के रूप में संसार को अभय दिया भगवान ने: कमल मित्तल

मुजफ्फरनगर। भारत के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल हरिद्वार में प्रतिवर्ष श्रावण मास में शिव भक्तों का एक अद्वितीय मेला या कहे कुंभ लगता है। शिवभक्त हर की पैड़ी से गंगा जल लाकर नीलकंठ महादेव ,त्रिपुरा महादेव पर शिवलिंग पर शिवरात्रि के दिन गंगा जल चढ़ाते हैं। नीलकंठ महादेव पर श्रावण मास के प्रत्येक दिन हजारों शिवभक्त के बाद जल चढ़ाते हैं ।

श्री नीलकंठ महादेव का मंदिर मणिकूट पर्वत जिसकी ऊंचाई गंगा के प्रवाह से 4500 है पर स्थित है ।

भगवान शिव का नीलकंठ नाम समुद्र मंथन से उत्पन्न कालकूट नामक विष की ज्वालाओ से दग्धायेमान संसार के समस्त चराचर प्राणियों के दुखों को दूर करने के लिए किए गए विषपान के कारण ही पड़ा। संसार के अनेकों प्रकार के मानसिक एवं शारीरिक दुखों से परेशान जो मनुष्य भगवान नीलकंठ की शरण में जाता है वह ठीक वैसे ही जिस प्रकार कालकूट नामक हलाहल विष की भयंकर ज्वालाओ के संताप से देवता ,असुर आदि मुक्त थे वैसे ही अपने दुखों से मुक्त हो जाता है ।

श्रीमद् भागवत कथा के अनुसार चाकुक्ष नामक छटे मन्वन्तर में भगवान शिव नीलकंठ हुए थे ।इस युग में एक बार देवराज इन्द्र के अपराध के कारण कुपित होकर महर्षि दुर्वासा ने समस्त देवताओं को शक्ति एवं श्रीहीन होने का श्राप दे दिया था। इस श्राप के कारण देवता शक्ति एवं श्रीहीन होकर असुरों से पराजित एम मृतप्राय हो गए थे। उनकी दशा को देख ब्रह्मा जी उनको लेकर भगवान श्री सदाशिव की शरण में भी गए ।

शरणागत देवताओं पर प्रसन्न होकर श्री प्रभु ने उनको असुरों के साथ संधि करके उनके सहयोग से अमृत तथा अन्य अलौकिक रत्नों की प्राप्ति करने के लिए समुद्र मंथन करने का आदेश दिया ।भगवान श्री सदाशिव के आदेश के अनुसार देवताओं ने असुरों के साथ संधि करके मंदराचल पर्वत को मथनी और वासुकि नाग को नेति बनाकर समुद्र का मंथन आरंभ कर दिया। उस समय भगवान विष्णु ने कश्यप अवतार धारण करके मंदराचल पर्वत को अपनी पीठ पर थाम लिया था।

बड़े परिश्रम से देवताओं और असुर अमृत प्राप्ति के लिए समुद्र मंथन कर रहे थे ।परंतु समंदर में से सर्वप्रथम अमृत के स्थान पर महान भयंकर हलाहल कालकूट विष उत्पन्न हुआ ।उसकी असहज एवम भयंकर लपटों से जल्दी–जल्दी समस्त प्राणी व्याकुल हो गई ।उसकी असहज एवं भयंकर लपटों से जलचरादि समस्त प्राणी व्याकुल हो ग्रे।उसकी लपटे अत्यन्त तेज गति से से दसों दिशाओं में व्याप्त होने लगी। इस असहनीय भयंकर ज्वालाओ से भयभीत एवं अपने को असुरक्षित महसूस कर पुज्य अतिथि व समस्त प्राणी कैलाश में में भगवान श्री सदाशिव की शरण में पहुंचे और अपनी इस आपदा से रक्षा की प्रार्थना की ।उनकी दीन भावना से की गई प्रार्थना सुनकर भगवान शिव ने माता सती से कहा कि मैं इन समस्त प्राणियों को अभय देता हूं तथा तब कृपालु भूतभावन महादेव जी ने तीनों लोकों में व्याप्त उस हलाहल विष को अपनी हथेली में समेट कर पी लिया ।उसमें भी उन्होंने अपना प्रभाव दिखाते हुए हलाहल कालकूट विष को अपने कंठ में ही रख लिया ।जो उनके लिए भूषण बन गया ।इसके प्रभाव से उनका कंठ नीलवर्ण हो गया और उस दिन से भगवान सदाशिव नीलकंठ कहे जाने लगे।

श्रीमद् भागवत कथा के अनुसार सृष्टि चक्र के श्वेत बार कल्प जिसमें भगवान सदाशिव ने हर बार समुद्र मंथन से प्राप्त हलाहल कालकूट विष को ग्रहण कर समस्त प्राणी समुदाय की रक्षा की थी । इस विषपान को करने के बाद भगवान सदाशिव उस विष की उग्रता से व्याकुल होने लगे । व्याकुलता के वशीभूत होकर भगवान माता सती जी व समस्त परिजनों को छोड़ध कर चुपचाप एकांत स्थान खोजने के लिए चल पड़े।

विवाह नहीं ज्योति लिंग प्राकट्य दिवस है महाशिवरात्रि –संजीव शंकर'

मुजफ्फरनगर। वैसे तो हिंदू पंचांग के अनुसार प्रत्येक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि उस माह की शिवरात्रि कहलाती है परंतु फाल्गुन मास में पड़ने वाली शिवरात्रि को ष्महाशिवरात्रिष कहा जाता है, यह पर्व भगवान शिव के प्राकट्य का पर्व है नाकि विवाह का।महामृत्युंजय सेवा मिशन अध्यक्ष संजीव शंकर ने संशय दूर करते हुए बताया कि महाशिवरात्रि को शिव और पार्वती विवाह नहीं हुआ था, शिव पुराण के अनुसार शिव पार्वती का विवाह मार्गशीष माह के रोहिणी नक्षत्र को सोमवार के दिन हुआ था, अतः महाशिवरात्रि के दिन ब्रह्मा और विष्णु के बीच में हो रहे विवाद को शांत करने के लिए भगवान शिव ज्योति स्वरूप अग्नि स्तंभ के रुप प्रकट हुए थे, इस तीर्थ को ष्अरुणाचलेश्वर तीर्थष के नाम से जाना जाता है। अरुणाचलेश्वर तीर्थ की महिमा के विषय में संजीव शंकर ने बताया कि काशी में मरण अर्थात् काशी में शरीर चाहिए परंतु मरते समय यदि अरुणाचलेश्वर तीर्थ याद भी रहे जाए तो भी मोक्ष ही मिलता है।

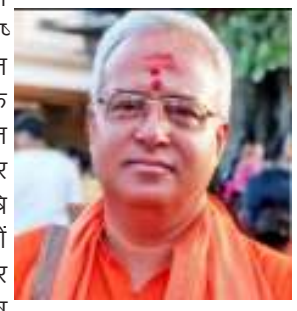

शुकतीर्थ में महाशिवरात्रि पर होगा शाही स्नान 'साधु संत, आचार्य, कथा वाचक, पंडित पुरोहित करेंगे माँ गंगा मे शाही स्नान'

मुजफ्फरनगर। 'महाशिवरात्रि के अवसर पर प्रयागराज संगम पर शाही स्नान के साथ साथ ही पौराणिक तीर्थ नगरी शुकतीर्थ मे भी कल बुधवार की सुबह शाही स्नान का आयोजन किया जायेगा इस पावन अवसर पर बड़ी संख्या साधु संत व गणमान्य पतित पावनी मां गंगा मे स्नान करेंगे जिसकी तैयारियां आरम्भ गयी हैं। 'शुकतीर्थ स्थित श्री गंगा सेवा समिति के महामंत्री डॉ. महकार सिंह ने बताया की प्रयागराज की भांति शुकतीर्थ मे शाही स्नान का आयोजन बुधवार की सुबह 11रू00 किया जायेगा जिसकी तैयारियां जारी हैं,कार्यक्रम मे साधु संत, कथा वाचक, पंडित पुरोहित, ब्रह्मचारी विद्यार्थी भाग लेगे।' 'शुकतीर्थ स्थित मां पूर्णागिरि आश्रम के महंत महामंडलेश्वर स्वामी गोपाल दास जी महाराज ने बताया की महातीर्थ श्री प्रयागराज मे शाही स्नान के साथ शुकतीर्थ मे भी शाही स्नान का आयोजन होगा।'

रेलगाड़ियों का अतिरिक्त मार्ग परिवर्तन एवं टर्मिनल स्टेशन में बदलाव

भारतीय रेल द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तन एवं टर्मिनल स्टेशन में बदलाव किये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत है:-

दिनांक 28.02.2025 (शुक्रवार), रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तित

गाड़ी संख्या	स्टेशन से स्टेशन तक	प्रयागराज जं. पर वर्तमान समय आगमन	प्रस्थान	निर्धारित मार्ग	प्रस्तावित परिवर्तित मार्ग हाया	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
12562	नई दिल्ली-जयनगर	05:25	05:35	कानपुर सेन्ट्रल-प्रयागराज जं.-औंड़िहार-छपरा	कानपुर सेन्ट्रल-लखनऊ-बाराबंकी-गोरखपुर-छपरा	27.02.25
15657	दिल्ली-कामाख्या	08:05	08:10	गाजियाबाद-प्रयागराज जं.-पं. दीन दयाल उपाध्याय जं.	गाजियाबाद-मुरादाबाद-लखनऊ-पं. दीन दयाल उपाध्याय जं.	27.02.25
12506	आनन्द विहार (टर्मि.)-कामाख्या	16:05	16:15	गाजियाबाद-प्रयागराज जं.-पं. दीन दयाल उपाध्याय जं.	गाजियाबाद-मुरादाबाद-लखनऊ-पं. दीन दयाल उपाध्याय जं.	26.02.25
12488	आनन्द विहार (टर्मि.)-जोगबनी	16:55	17:00	गाजियाबाद-प्रयागराज जं.-पं. दीन दयाल उपाध्याय	गाजियाबाद-मुरादाबाद-लखनऊ-पं. दीन दयाल उपाध्याय	28.02.25
15484	दिल्ली-अलीपुरद्वार	17:40	17:45	गाजियाबाद-प्रयागराज जं.-पं. दीन दयाल उपाध्याय	गाजियाबाद-मुरादाबाद-लखनऊ-पं. दीन दयाल उपाध्याय	28.02.25
12165	लोकमान्य तिलक (टर्मि.)-गोरखपुर	03:50	04:20	इटारसी-मानिकपुर जं.-प्रयागराज जं.- वाराणसी	इटारसी-बीना-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-कानपुर सेन्ट्रल-लखनऊ	27.02.25
12539	यशवंतपुर-लखनऊ	04:45	05:05	इटारसी-मानिकपुर जं.-प्रयागराज जं.- लखनऊ	इटारसी-बीना-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-कानपुर सेन्ट्रल-लखनऊ	26.02.25
15017	लोकमान्य तिलक (टर्मि.)-गोरखपुर	07:55	08:20	मानिकपुर जं.-प्रयागराज जं.- जंघई- वाराणसी	इटारसी-बीना-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-कानपुर सेन्ट्रल-लखनऊ-बाराबंकी-गोरखपुर	27.02.25
11061	लोकमान्य तिलक (टर्मि.)-जयनगर	09:35	10:05	इटारसी-मानिकपुर जं.-प्रयागराज जं.- वाराणसी	इटारसी-बीना-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-कानपुर सेन्ट्रल-लखनऊ-वाराणसी	27.02.25
18205	दुर्ग -नौतनवां	10:40	11:00	सतना-मानिकपुर जं.-प्रयागराज जं.-गोरखपुर	सतना-ओहान-बांदा-कानपुर सेन्ट्रल-गोरखपुर	27.02.25
11071	लोकमान्य तिलक (टर्मि.)-बलिया	15:50	16:15	बीना-सागर-मानिकपुर जं.-प्रयागराज जं.-जंघई-वाराणसी	बीना-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-कानपुर सेन्ट्रल-लखनऊ-जौनपुर-वाराणसी	27.02.25
11037	पुणे -गोरखपुर	16:10	16:40	इटारसी-मानिकपुर जं.-प्रयागराज जं.- वाराणसी	इटारसी-बीना-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-कानपुर सेन्ट्रल-लखनऊ	27.02.25
22969	ओखा-बनारस	22:50	23:00	कानपुर सेन्ट्रल-प्रयागराज जं.- बनारस	कानपुर सेन्ट्रल-लखनऊ-बनारस	27.02.25
22535	रामेश्वरम-बनारस	22:10	22:35	मानिकपुर जं.-प्रयागराज जं.-प्रयागराज रामबाग-बनारस	मानिकपुर-प्रयागराज छिवकी- मिर्जापुर-जिवनाथपुर-बनारस	26.02.25
12561	जयनगर-नई दिल्ली	07:05	07:15	छपरा- औंड़िहार-प्रयागराज जं.-कानपुर सेन्ट्रल	छपरा- गोरखपुर-बाराबंकी-लखनऊ-कानपुर सेन्ट्रल	27.02.25
15483	अलीपुरद्वार-दिल्ली	09:20	09:25	पं. दीन दयाल उपाध्याय-प्रयागराज जं.-गाजियाबाद	पं. दीन दयाल उपाध्याय-लखनऊ-मुरादाबाद-गाजियाबाद	27.02.25
18309	सम्बलपुर-जम्मूतवी	09:45	09:50	चुनार- प्रयागराज जं.-गाजियाबाद	चुनार-वाराणसी -लखनऊ-मुरादाबाद	27.02.25
12487	जोगबनी-आनन्द विहार (टर्मि.)	11:40	11:45	पं. दीन दयाल उपाध्याय-प्रयागराज जं.-गाजियाबाद	पं. दीन दयाल उपाध्याय-लखनऊ-मुरादाबाद-गाजियाबाद	27.02.25
12505	कामाख्या-आनन्द विहार (टर्मि.)	12:25	12:30	पं. दीन दयाल उपाध्याय-प्रयागराज जं.-गाजियाबाद	पं. दीन दयाल उपाध्याय-लखनऊ-मुरादाबाद-गाजियाबाद	27.02.25
11062	जयनगर-लोकमान्य तिलक (टर्मि.)	03:00	03:30	वाराणसी-प्रयागराज जं.-मानिकपुर जं.-इटारसी	वाराणसी-लखनऊ-कानपुर सेन्ट्रल-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-बीना-इटारसी	27.02.25
15018	गोरखपुर-लोकमान्य तिलक (टर्मि.)	15:50	16:10	औंड़िहार-वाराणसी-जंघई-प्रयागराज जं.-मानिकपुर जं.	गोरखपुर-बाराबंकी-लखनऊ-कानपुर सेन्ट्रल-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-बीना-इटारसी	26.02.25
11072	बलिया-लोकमान्य तिलक (टर्मि.)	19:10	19:35	वाराणसी-जंघई-प्रयागराज जं.-मानिकपुर जं.	वाराणसी-जौनपुर-लखनऊ-कानपुर सेन्ट्रल-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-बीना	26.02.25
12166	गोरखपुर-लोकमान्य तिलक (टर्मि.)	23:05	23:30	वाराणसी-प्रयागराज जं.-मानिकपुर जं.-इटारसी	लखनऊ-कानपुर सेन्ट्रल-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-बीना-इटारसी	26.02.25

दिनांक 01.03.2025 (शनिवार), रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तित

गाड़ी संख्या	स्टेशन से स्टेशन तक	प्रयागराज जं. पर वर्तमान समय आगमन	प्रस्थान	निर्धारित मार्ग	प्रस्तावित परिवर्तित मार्ग हाया	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
15657	दिल्ली-कामाख्या	08:05	08:10	गाजियाबाद-कानपुर सेन्ट्रल-प्रयागराज जं.-पं. दीन दयाल उपाध्याय	गाजियाबाद-मुरादाबाद-लखनऊ-पं. दीन दयाल उपाध्याय	28.02.25
12506	आनन्द विहार (टर्मि.)-कामाख्या	16:05	16:15	गाजियाबाद-कानपुर सेन्ट्रल-प्रयागराज जं.-पं. दीन दयाल उपाध्याय	गाजियाबाद-मुरादाबाद-लखनऊ-पं. दीन दयाल उपाध्याय	01.03.25
15017	लोकमान्य तिलक (टर्मि.)-गोरखपुर	07:55	08:20	मानिकपुर जं.-प्रयागराज जं.- जंघई- वाराणसी	इटारसी-बीना-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-कानपुर सेन्ट्रल-लखनऊ-बाराबंकी-गोरखपुर	28.02.25
11061	लोकमान्य तिलक (टर्मि.)-जयनगर	09:35	10:05	इटारसी-मानिकपुर जं.-प्रयागराज जं.- वाराणसी	इटारसी-बीना-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-कानपुर सेन्ट्रल-लखनऊ-वाराणसी	28.02.25
11071	लोकमान्य तिलक (टर्मि.)-बलिया	15:50	16:15	बीना-सागर-मानिकपुर जं.-प्रयागराज जं.-जंघई-वाराणसी	बीना-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-कानपुर सेन्ट्रल-लखनऊ-जौनपुर-वाराणसी	28.02.25
18610	लोकमान्य तिलक (टर्मि.)-रांची	16:10	16:35	वाराणसी-प्रयागराज जं.-मानिकपुर जं.-इटारसी	वाराणसी-लखनऊ-कानपुर सेन्ट्रल-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-बीना-इटारसी	28.02.25
01025	दादर-बलिया	18:10	18:35	बीना-ललितपुर-खजुराहो-मानिकपुर जं.-प्रयागराज जं.-वाराणसी	बीना-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-कानपुर सेन्ट्रल-लखनऊ-वाराणसी	28.02.25
12165	लोकमान्य तिलक (टर्मि.)-गोरखपुर	03:50	04:20	इटारसी-मानिकपुर जं.-प्रयागराज जं.- वाराणसी	इटारसी-बीना-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-कानपुर सेन्ट्रल-लखनऊ	28.02.25
11062	जयनगर-लोकमान्य तिलक (टर्मि.)	03:00	03:30	वाराणसी-प्रयागराज जं.-मानिकपुर जं.-इटारसी	वाराणसी-लखनऊ-कानपुर सेन्ट्रल-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-बीना-इटारसी	28.02.25
15018	गोरखपुर-लोकमान्य तिलक (टर्मि.)	15:50	16:10	औंड़िहार-वाराणसी-जंघई-प्रयागराज जं.-मानिकपुर जं.	गोरखपुर-बाराबंकी-लखनऊ-कानपुर सेन्ट्रल-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-बीना-इटारसी	01.03.25
11072	बलिया-लोकमान्य तिलक (टर्मि.)	19:10	19:35	वाराणसी-जंघई-प्रयागराज जं.-मानिकपुर जं.	वाराणसी-जौनपुर-लखनऊ-कानपुर सेन्ट्रल-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-बीना	01.03.25
01028	गोरखपुर-दादर	22:10	22:15	वाराणसी-प्रयागराज जं.-मानिकपुर जं.-खजुराहो-ललितपुर-बीना	वाराणसी-लखनऊ-कानपुर सेन्ट्रल-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-बीना	01.03.25
12294	प्रयागराज जं.-लोकमान्य तिलक (टर्मि.)	-----	18:10	प्रयागराज जं.-मानिकपुर जं.-सतना	प्रयागराज जं.-भीमसेन-खैरार-ओहान-सतना	01.03.25
12166	गोरखपुर-लोकमान्य तिलक (टर्मि.)	23:05	23:30	वाराणसी-प्रयागराज जं.-मानिकपुर जं.-इटारसी	लखनऊ-कानपुर सेन्ट्रल-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-बीना-इटारसी	01.03.25

रेलगाड़ियों के टर्मिनल स्टेशन में बदलाव

गाड़ी संख्या	रेलगाड़ी का नाम	टर्मिनल स्टेशन में बदलाव का समय	प्रारंभिक स्टेशन से पूर्व में अधिसूचित तिथि	प्रारंभिक स्टेशन से टर्मिनल में बदलाव की प्रभावी तिथि
12417	प्रयागराज-नई दिल्ली प्रयागराज एक्सप्रेस	सूबेदारगंज प्रस्थान 22:15	10.01.25 से 28.02.25	01.03.25 से 15.03.25
12418		सूबेदारगंज आगमन 06:55	09.01.25 से 27.02.25	28.02.25 से 14.03.25
12403	प्रयागराज-लालगढ़ (प्रयागराज डीकानेर एक्सप्रेस)	सूबेदारगंज प्रस्थान 23:15	11.01.25 से 27.02.25	01.03.25 से 15.03.25
12404		सूबेदारगंज आगमन 04:40	10.01.25 से 26.02.25	28.02.25 से 14.03.25
20403	प्रयागराज-लालगढ़ (प्रयागराज डीकानेर एक्सप्रेस)	सूबेदारगंज प्रस्थान 23:15	10.01.25 से 28.02.25	02.03.25 से 14.03.25
20404		सूबेदारगंज आगमन 04:40	09.01.25 से 27.02.25	01.03.25 से 13.03.25
22436	आनन्द विहार ट.-प्रयागराज (हमसफर एक्सप्रेस)	सूबेदारगंज आगमन 06:15	09.02.25 से 27.02.25	02.03.25 से 13.03.25
12276	नई दिल्ली-प्रयागराज (हमसफर एक्सप्रेस)		08.02.25 से 26.02.25	28.02.25 से 14.03.25
22437	प्रयागराज-आनन्द विहार ट. (हमसफर एक्सप्रेस)	शेड्यूल प्रस्थान 00:30 (अगले दिन, 00:00 बजे के बाद प्रस्थान होने के कारण, टर्मिनल परिवर्तन के बाद निर्धारित प्रस्थान सूबेदारगंज से 22:35)	10.02.25 से 26.02.25	01.03.25 से 15.03.25
12275	प्रयागराज- नई दिल्ली (हमसफर एक्सप्रेस)		09.02.25 से 28.02.25	02.03.25 से 14.03.25

नोटः रेल यात्रियों को सुझाव दिया जाता है कि उपरोक्त रेलगाड़ियों की समय-सारणी, संरचना एवं अन्य स्टेशनों पर ठहराव से संबंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन नं. 139, एनटीईएस ऐप एवं रेल मदद वेबसाईट www.railmadad.indianrailways.gov.in के माध्यम से अद्यतन जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

महाकुम्भ 2025 रेलवे टोल फ्री नं. 1800 4199 139 | उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 373/25(DG)

आवश्यक सूचना

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों/परीक्षार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये रीट परीक्षा 2025 के दौरान परीक्षा विशेष रेलगाड़ियों के संचालन एवं श्री गंगानगर-कोलकाता पैसेंजर-कम-पार्सल विशेष रेलगाड़ी की फेरे में वृद्धि का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् हैः-

गाड़ी संख्या 04811/04812 जोधपुर-ग्वालियर-ढेहर का बालाजी परीक्षा विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 04811 जोधपुर - ग्वालियर आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी संख्या - 04812 ग्वालियर - ढेहर का बालाजी आगमन	प्रस्थान
----	23:00	जोधपुर	----	----
----	----	ढेहर का बालाजी ▲	04:35	----
10:10	10:15	आगरा कैंट	21:40	21:45
11:05	11:10	धौलपुर	20:55	21:00
11:28	11:30	मुरेना	19:48	19:50
12:30	----	▼ ग्वालियर	----	19:30

जोधपुर से:- गाड़ी संख्या 04811, दिनांक 25.02.2025 को।
ग्वालियर से:- गाड़ी संख्या 04812, दिनांक 26.02.2025 को।

गाड़ी संख्या 04813/04814 ढेहर का बालाजी-ग्वालियर परीक्षा विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 04813 ढेहर का बालाजी - ग्वालियर आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी संख्या - 04814 ग्वालियर - ढेहर का बालाजी आगमन	प्रस्थान
----	19:00	ढेहर का बालाजी ▲	17:55	----
00:30	00:35	आगरा कैंट	10:40	10:45
01:45	01:50	धौलपुर	09:55	10:00
02:28	02:30	मुरेना	08:48	08:50
04:00	----	▼ ग्वालियर	----	08:30

ढेहर का बालाजी से:- गाड़ी संख्या 04813, दिनांक 27.02.2025 को।
ग्वालियर से:- गाड़ी संख्या 04814, दिनांक 28.02.2025 को।

गाड़ी संख्या - 04731/04732 श्री गंगानगर-कोलकाता पैसेंजर-कम-पार्सल विशेष रेलगाड़ी की फेरे में वृद्धि

गाड़ी सं.	स्टेशन से - स्टेशन तक	चलने का दिन	पूर्व में अधिसूचित तिथि	विस्तारित तिथि
04731	श्री गंगानगर-कोलकाता	बुधवार	26.02.2025	05.03.2025
04732	कोलकाता-श्री गंगानगर	रविवार	02.03.2025	09.03.2025

नोटः उपरोक्त गाड़ी अपने पूर्व निर्धारित मार्ग, समय, ठहराव, संरचना एवं दिन पर संचालित होगी।

नोटः- रेल यात्रियों को सुझाव दिया जाता है कि उपरोक्त रेलगाड़ियों की समय-सारणी, संरचना एवं अन्य स्टेशनों पर ठहराव से संबंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139, एनटीईएस ऐप एवं रेल मदद वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in के माध्यम से अद्यतन जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

महाकुम्भ 2025 रेलवे टोल फ्री नं. 1800 4199 139 | उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 374/25(A)

नंगला बुजर्ग के मजदूर की हादसे में मौत, परिवार में मातम

मोरना। छत्तीसगढ राज्य में मजदूरी करने गये नंगला बुजुर्ग निवासी व्यक्ति की पेड काटते समय गिरकर मौत हो गई। मंगलवार को मृतक का शव गांव पहुंचा। जहां गमगीन माहौल में उसके शव को सुपुर्दे खाक किया गया। ग्राम प्रधान सहित ग्रामीणों ने मजदूर परिवार की आर्थिक सहायता की मांग प्रशासन से की है। भोपा थाना क्षेत्र के गांव नंगला बुजुर्ग निवासी 40 वर्षीय महबूब छत्तीसगढ राज्य के जिला सरगुजा के थाना उदयपुर क्षेत्र के गांव निमहा में अपने साथियों के साथ पेड काटने का कार्य कर रहा था। रविवार को महबूब पेड की कटाई कर रहा था तभी अचानक पेड की एक टहनी उसके ऊपर आ गिरी, जिससे वह सडक पर गिर गया तथा कटाई में उपयोग की जा रही मशीन के झटके से उसकी गर्दन पर भी चोट आई। सिर में गम्भीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे उदयपुर थाना प्रभारी राजेश चतुर्वेदी ने घटना की जानकारी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मंगलवार को महबूब का शव गांव पहुंचा। मजदूर की मौत से परिवार में मातम छा गया। महबूब अपने पीछे मां फैमिदा, पत्नी शबनम, पुत्र आसिफ, अयान, सिफरान, पुत्री मुस्कान, गुलफिशां और खुशबू को रोता बिलखता छोड गया है। मृतक को गमगीन माहौल में गांव स्थित कब्रिस्तान में सुपुर्दे खाक कर दिया गया। ग्राम प्रधान अंजुम अली सहित ग्रामीणों ने प्रशासन से मजदूर परिवार की आर्थिक सहायता की मांग की है।

यूपी बोर्ड परीक्षा मैं विद्यार्थियों एवं शिक्षकों का शोषण न करे सरकारः डॉ. कुलदीप मलिक’

मुजफ्फरनगर। यूपी बोर्ड परीक्षा के मध्य नजर शिक्षक नेता एवं शिक्षा पर चर्चा कार्यक्रम के संस्थापक डॉ. कुलदीप मलिक ने यूपी बोर्ड परीक्षा के दौरान विद्यार्थियों एवं शिक्षकों का सरकार द्वारा शोषण न करने की अपील की है। उन्होंने सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार की ओर से परीक्षा के संचालन को लेकर बड़े–बड़े वादे किए जा रहे हैं जबकि जमीनी हकीकत यह है कि परीक्षा संचालन के दौरान सरकार विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के शोषण का कार्य कर रही है। यह बात उन्होंने कल परीक्षा के पहले दिन बागपत, शामली एवं मु. नगर जिले के कई परीक्षा केंद्रों का जायदा लेने के बाद बाद अपने अनुभव के आधार पर कही। डॉ. मलिक के अनुसार यूपी बोर्ड पूरे विश्व में एक ऐसी संस्था है जो सबसे बड़ी परीक्षा को आयोजित करने का दम रखता है। इस बार की परीक्षा में भी रिकॉर्ड स्तर पर 54 से 55 लाख विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हो रहे है लेकिन जिस तरह की

व्यवस्थाओं का सरकार वादा कर रही है वह जमीनी स्तर पर नदारत दिखाई देती है।

कुछ जगह परीक्षा केंद्रों के चयन पर भी डॉ. मलिक प्रश्न चिन्ह लगाते हुए बताया कि कुछ परीक्षा केंद्र ग्रामीण क्षेत्रों में बनाए गए है जहां पर यातायात, बिजली और सुरक्षा जैसी मूलभूत व्यवस्था समुचित न होने के कारण विद्यार्थियों एवं शिक्षकों सहित परीक्षा के संचालन कर्ताओं को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

सरकार की मंशा पर प्रश्न उठाते हुए डॉ. कुलदीप मलिक ने बताया कि एक तरफ सरकार सुरक्षित परीक्षा के लिए हर परीक्षा कक्ष में दो दो व सीसीटीवी कैमरे लगवाने का वादा कर रही है वहीं दूसरी तरफ बहुत सारे परीक्षा केंद्रों पर समय देखने के लिए परीक्षा कक्ष में एक घड़ी तक भी नजर नहीं आ रही।

उन्होंने प्रत्येक ड्यूटी के लिए सरकार द्वारा शिक्षकों को मात्र ध्50 का मानदेय देने पर भी अपनी नाराजगी व्यक्त की है और इस मानदेय को ध्50 से बढ़कर ध्1000 करने की मांग सरकार के सामने रखी है। एक शिक्षक की एक दिन में दो ड्यूटी लगाए जाने पर भी उन्होंने अपनी नाराजगी व्यक्त की। बागपत जिले में वित्तविहीन शिक्षकों की परीक्षा में ड्यूटी न लगाए जाने के संबंध में डॉ. कुलदीप मलिक ने कल बागपत जिले के डीआईओएस से मिलने की कोशिश की और उन्होंने क्वेश्चन किया कि अगर माध्यमिक शिक्षा परिषद, ऊ प्र के लगभग 25,000 वित्तविहीन शैक्षणिक संस्थान में कार्यरत लगभग साढ़े 3 लाख शिक्षक विद्यार्थियों को पढ़ा सकते हैं और परीक्षा के बाद उनकी कॉपी का मूल्यांकन भी कर सकते हैं तो फिर वह परीक्षा केंद्रों पर ड्यूटी क्यों नहीं कर सकते? वित्त विहीन शिक्षकों और प्रबंधकों के बारे में डॉ. मलिक ने अपने विचार रखते हुए सरकार और अधिकारियों पर हमेशा उनके प्रति पक्षपात का आरोप लगाया।

प्रत्येक परीक्षा केंद पर मानो चिकित्सक नियुक्त किए जाने के संबंध में डॉ. कुलदीप मलिक ने सरकार को चेताया कि आखिर आज सरकार को यह कदम उठाने की आवश्यकता क्यों पड़ी। उनके अनुसार अगर हिंदुस्तान और प्रदेश का 80ः से ज्यादा विद्यार्थी अस्वस्थ है तभी इस तरीके की व्यवस्था आज सरकार ने परीक्षा केंद्रों पर करनी पड़ रही है जिसके लिए सरकार बधाई की पात्र नहीं बल्कि प्रश्नों के कटघड़े में होनी चाहिए कि आखिरकार भारत जैसे देश में ऐसी नौबत क्यों आ रही है?

उन्होंने सरकार से जल्द से जल्द उनकी शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए इन समस्याओं के निदान का आग्रह किया।

आर्य समाज का धर्म, शिक्षा, भाषा राष्ट्रीय एकता में योगदान अप्रतिम हैः डॉ. विजयानन्द

प्रयागराज। नवजागरण काल में आजादी की प्रेरणा देने, गुरुकुलीय शिक्षा प्रणाली के उद्धारक, वेदों की ओर जनमानस को चलने का आह्ववान, समाज के अतिशोषित , दलित और उपेक्षितों को उनका हक दिलाने के लिए संघर्ष, तमाम समाज, साहित्य, संस्कृति, भाषा और वैदिक धर्म के पुनरोध्दार कार्यो से जाने जाने वाले, अपने गुणों, कार्यो से समाज को नई दिशा देने वाले युग निर्माता स्वामी दयानन्द के जन्म के दो शताब्दी वर्ष उन्हें याद करने की आज बहुत जरूरत है। इससे समाज को प्रेरणा, ज्ञान शक्ति मिलती है, ये उद्घ्गार वैदिक आचार्य साहित्यकार व वरिष्ठ पत्रकार अखिलेश आर्येंदु(दिल्ली) ने महाकुंभ क्षेत्र में आयोजित आर्य लेखक परिषद दिल्ली के साहित्यकार सम्मेलन में व्यक्त किए। राष्ट्रीय साहित्यकार सम्मेलन का आयोजन ओल्ड जीटी रोड, शंकराचार्य मार्ग स्थित श्रेष्ठ समाज परिसर में किया गया। देश के तमाम प्रान्तों से आए साहित्यकारों ने हिस्सा लिया। समारोह के मुख्य अतिथि साहित्यध्कार एवं वैश्विक हिंदी महासभा के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ०विजयानन्द ने कहा–महर्षि दयानंद का यह द्विशताब्दी वर्ष चल रहा है।उनके कृतित्व व व्यक्तित्व का मूल्यांकन मौजूदा समय में होना जरूरी है। जिससे नई पीढ़ी में लगाव पैदा होगा, जो तमाम समस्याओं के समाधान का कारण हो सकता है। महर्षि द्वारा स्थापित आर्यसमाज के 150 साल भी पूरे हो रहे हैं। आर्य समाज का समाज सुधार, धर्म , शिक्षा, भाषा , संस्कृति और राष्ट्रीय एकता के योगदान अप्रघतिम है। हमें नई पीढ़ी को इसे बताने की जरूरत है। दिल्ली उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता सतेन्द्र कुमार वशिष्ठ ने कहा –आर्यसघ्माज ही एकमात्र ऐसी संस्था है जो कट्टरता व धर्म के नाम पर हिंसा का जबाव देने में सक्षम है। उन्होंने कहा, गुरुकुलीय शिक्षा व घर वापसी के कार्य मौजूदा दौर में जरूरी है। डॉ इन्दु जौनपुरी ने नागरी लिपि पर प्रकाश डाला , तो डॉ आलोक विश्वकर्मा ने महर्षि दयानन्द के कार्यों को बताया। सम्मेलन में सोलह साहित्यकारों को श्प्रज्ञा सम्मानश सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता लोकेश शर्मा ने की। कार्यक्रम में सर्वश्री देवी प्रसाद पाण्डेय, मनोज फगवाड़वी, डॉ०इंदु जौनपुरी, दीपांकर गुप्त,नन्द किशोर साहू ,ईश्वरचन्द्र जायसवाल,गंगा प्रसाद त्रिपाठी आदि ने काव्यपाठ किया।

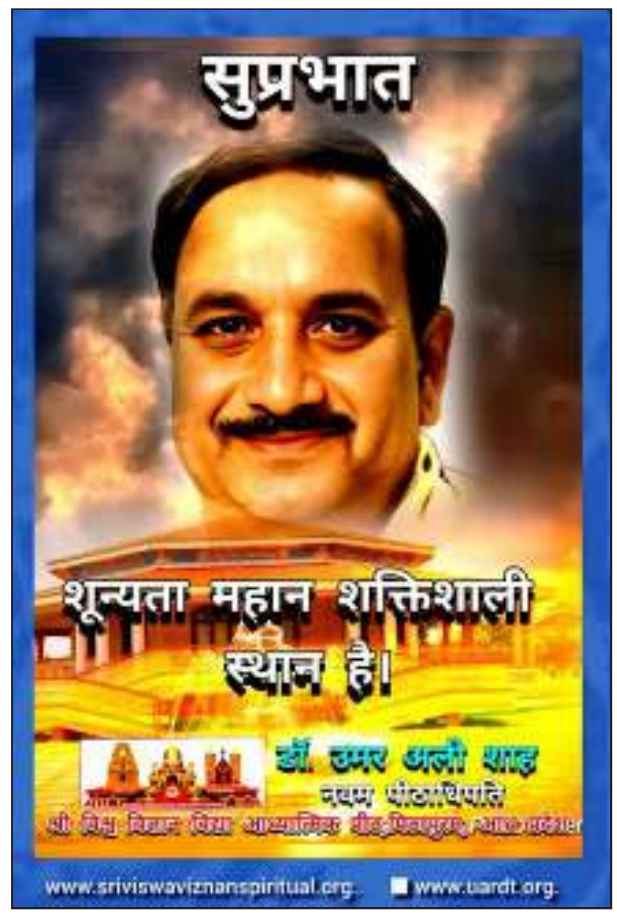

कूड़ा कलेक्शन कंपनी का भुगतान रोक जाने पर लिखा गया जिला अधिकारी को ज्ञापन

मुजफ्फरनगर 25 फरवरी। ’सफाई कर्मियों की समस्याओं का निस्तारण होने तक कूड़ा कलेक्शन कंपनी का भुगतान रोके जाने और जांच कराये जाने को लेकर मंत्री कपिल देव ने जिलाधिकारी को पत्र लिखा।’ नगर पालिका परिषद मुजफ्फरनगर के साथ अनुबंध कर नगर में सफाई व्यवस्था करने वाली ड्प्2ड्ढ कंपनी पर सफाई कर्मियों द्वारा लगातार आरोप लगाए जा रहे हैं। सुपरवाईजर, ड्राईवर, हेल्पर, सफाईकर्मी आदि पदों पर सेवारत कर्मचारियों को समय से भुगतान न मिलने, उनका म्च्थ् व म्ैप् का पैसा जमा न करने, कर्मचारियों को वर्दी, दस्ताने न दिए जाने आदि को लेकर कूड़ा उठाने का कार्य कई बार बंद किया जा चुका है। आए दिन इन कर्मचारियों द्वारा हड़ताले की जाती हैं। नगर विधायक और प्रदेश सरकार में व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता विभाग के स्वतंत्र प्रभार मंत्री कपिल देव से मिलकर इन कर्मचारियों ने अपनी समस्याएं रखीं और निस्तारण कराये जाने की मांग की। शहर को स्वच्छ बनाने वाले इन कर्मचारियों की समस्याओं का संज्ञान लेते हुए मंत्री कपिल देव ने तुरंत जिलाधिकारी उमेश मिश्रा को पत्र लिखा और दूरभाष पर वार्ता कर इनकी समस्याओं का अविलम्ब निस्तारण कराये जाने तथा निस्तारण होने तक कंपनी का भुगतान रोके जाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही, उन्होंने कंपनी के कार्यों की कड़ी निगरानी, स्थलीय निरीक्षण व आवश्यक जांच–पड़ताल कराये जाने को कहा। मंत्री कपिल देव ने जिलाधिकारी से संज्ञान में इससे पूर्व में काम करने वाली कंपनी ।2 का प्रकरण भी डाला और कहा कि उस कंपनी की तरह अब इन कर्मियों के साथ कोई अन्याय या धोखाधड़ी नहीं होनी चाहिए।

शिव मतलब कल्याण

(दोहे)

संकट में सब भक्त हैं, तुम सोते चुपचाप ।
अब तो उठकर देखिये, कितना फैला पाप ।।

बढ़ते अत्याचार से, देश रहा है डोल ।
शिव शंकर अब जागिए, अपनी आँखें खोल ।।

फिर से तुम तांडव करो, जटा खोल भगवान ।
दुष्टों का विनाश करो, विपद पड़ी है आन ।

ले त्रिशूल प्रहार करो, इनका कर संहार ।
भक्त जनों पर आज ये, कर दो तुम उपकार ।।

दुखियों के दुःख दूर कर, संकट में है प्राण ।
एक तुम्हीं से आसरा, शिव मतलब कल्याण।।

विनय कुमार ‘बुद्ध’

शुकतीर्थ एनएसएस शिविर में साइबर क्राइम से बचाव को हुई संगोष्ठ

मोरनाः सतीर्थ नगरी शुकतीर्थ स्थित अग्रवाल धर्मशाला में महर्षि शुकदेव स्वामी कल्याण देव डिग्री कालेज मोरना की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा आयोजित शिविर के चौथे दिन मंगलवार को साइबर क्राइम से बचाव को लेकर जन जागरण संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं को साइबर क्राइम से बचाव को लेकर जागरूक किया।

शिविर में मुख्य वक्ता उप निरीक्षक रणवीर सिंह ने कहा कि साइबर ठगी से बचने के लिए अज्ञात नंबरों द्वारा भेजे गए संदेशों से प्राप्त फाइलों को कभी भी स्वीकार या डाउनलोड न करें। आपकी बैंक आईडी और पासवर्ड आपकी सुरक्षा के लिए

हैं, इन्हें किसी के साथ साझा ना करें। पासवर्ड आपका हथियार है इसलिए मजबूत पासवर्ड बनाएं। राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर साइबर सुरक्षा से जुड़ी शिकायत के लिए कॉल कर सकते हैं। सतर्क रहें सुरक्षित रहे। पुलिस उप निरीक्षक शैलेंद्र सिंह ने कहा कि साइबर अपराध कंप्यूटर डिजिटल डिवाइस या नेटवर्क से जुड़ी कोई भी आपराधिक गतिविधि है। अधिकांश साइबर अपराधियों का लक्ष्य अपनी आपराधिक गतिविधियों से लाभ कमाना होता है। इसलिए साइबर ठगी के प्रति सतर्क रहे सतर्कता में ही समझदारी है। इसके बाद छात्रा रितु,जानकी, प्राची, मानसी, प्रियांगी, नबिया, पायल पायल, खुशी, हिमानी, महर, नव्या, महविश, बबली, प्राची गर्ग आदि छात्राओं ने घर घर जाकर महिलाओं को साइबर क्राइम से बचाव को लेकर जागरूक किया। शिविर में प्राचार्य डॉ. राजपाल सिंह मलिक, कार्यक्रम अधिकारी पूनम रोशवाल, डा. राज सिंह, नरेश कुमार, आजाद सिंह, मीनू चौधरी, शालू,नीता, सपना शर्मा, रजनीश कुमार,राकेश शर्मा, कीर्तिभूषण,आशुतोष अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

महाकुम्भ मेला 2025

आवश्यक सूचना

रेल यात्रियों/श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सहायता हेतु महत्वपूर्ण जानकारी

महाशिवरात्रि - 26.02.2025

मुख्य स्नान पर्व से एक दिन पूर्व एवं दो दिन बाद तक प्रयागराज जं., सूबेदारगंज, नैनी जं. एवं प्रयागराज छिवकी स्टेशनों पर निकास एवं प्रवेश की व्यवस्था

प्रयागराज जं. से निकास - केवल सिविल लाइन्स की ओर से
प्रयागराज जं. पर प्रवेश - लीडर रोड द्वारा केवल सिटी साइड की ओर से
प्रयागराज जं. पर अलग–अलग दिशाओं हेतु बनाए गए यात्री आश्रयः–

प्रवेश द्वार सं. एवं रंग	यात्री आश्रय सं. एवं रंग	दिशा	प्लेटफार्म सं.
1 लाल रंग	1 लाल रंग	वाराणसी एवं लखनऊ की ओर	7 से 10
2 नीला रंग	2 नीला रंग	मिर्जापुर, पं. दीनदयाल उपाध्याय जं. (मुगलसराय) की ओर	4,5
3 पीला रंग	3 पीला रंग	मानिकपुर, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, सतना की ओर	1
4 हरा रंग	4 हरा रंग	कानपुर, आगरा, दिल्ली की ओर	2,3
5	—	आरक्षित टिकट यात्रियों के लिए	उद्घोषित प्लेटफार्म से

नैनी जं. से निकास - केवल माल गोदाम की ओर से
नैनी जं. पर प्रवेश - केवल स्टेशन रोड से
नैनी जं. पर अलग–अलग दिशाओं हेतु बनाए गए यात्री आश्रयः–

प्रवेश द्वार सं.	यात्री आश्रय सं. एवं रंग	दिशा	प्लेटफार्म सं.
1	1 हरा रंग	कानपुर की ओर	2
1	2 नीला रंग	मानिकपुर, चित्रकूट, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी की ओर	3
1	3 लाल रंग	मानिकपुर, सतना, जबलपुर की ओर	3
2	—	आरक्षित टिकट यात्रियों के लिए	उद्घोषित प्लेटफार्म से
3,4	4 B,A पीला रंग	मिर्जापुर, पं. दीनदयाल उपाध्याय जं. (मुगलसराय) की ओर	1

प्रयागराज छिवकी स्टेशन से निकास - केवल GEC रोड से
प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर प्रवेश - केवल COD रोड से
प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर अलग–अलग दिशाओं हेतु बनाए गए यात्री आश्रयः–

प्रवेश द्वार सं.	यात्री आश्रय सं. एवं रंग	दिशा	प्लेटफार्म सं.
1B	1 हरा रंग	मिर्जापुर, पं. दीनदयाल उपाध्याय जं. (मुगलसराय) की ओर	1,2
1A	2 लाल रंग	मानिकपुर, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, सतना, जबलपुर की ओर	3,4
2	—	आरक्षित टिकट यात्रियों के लिए	उद्घोषित प्लेटफार्म से

सूबेदारगंज स्टेशन से निकास - केवल जी.टी. रोड की ओर से
सूबेदारगंज स्टेशन पर प्रवेश - केवल झलवा की ओर से
सूबेदारगंज स्टेशन पर बनाए गए यात्री आश्रयः–

प्रवेश द्वार सं.	यात्री आश्रय सं.	दिशा	प्लेटफार्म सं.
1	—	कानपुर, आगरा, दिल्ली की ओर	1
3	—	आरक्षित टिकट यात्रियों के लिए	उद्घोषित प्लेटफार्म से

कुम्भ रेल सेवा ऐप 2025

QR कोड स्कैन कर डाउनलोड करें

महाकुम्भ के दौरान पाएं रेल संबंधित हर जानकारी और सभी समस्याओं का समाधान

रेलवे के टोल फ्री नंबर 1800 4199 139 पर तुरंत संपर्क करें

उत्तर मध्य रेलवे
गतिशीलता ही हमारी पहचान

367/25 (A)

@CPRONCR North central railways cproncrly CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

आजादी का दुरूपयोग

पिछले दिनों एक विवादास्पद मामले में सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने संबंधित कानूनों के अनुपालन की जरूरत महसूस करते हुए ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के लिये एडवाइजरी जारी की है। निस्संदेह यह वक्त की जरूरत है। दरअसल, हाल ही में एक यूट्यूबर की अभद्र टिप्पणी से पैदा हुए विवाद पर देशव्यापी प्रतिक्रिया हुई थी। केंद्र सरकार की पहल को शीर्ष अदालत के सख्त रुख के आलोक में देखा जा रहा है। पारिवारिक मूल्यों वाले भारतीय समाज में अभिव्यक्ति की आजादी का दुरुपयोग करते हुए अमर्यादित व संवेदनहीन टिप्पणी के मामले गाहे–बगाहे प्रकाश में आते रहते हैं। यही वजह है कि इलाहाबादिया प्रकरण में कई राज्यों में आपराधिक मामले दर्ज कर किए गए। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी को गिरफ्तारी से राहत तो दी मगर सख्त टिप्पणी भी की थी कि वे दिमागी गंदगी को थोप रहे हैं, जिससे समाज शर्मसार हुआ है। लेकिन इस प्रकरण ने अभिव्यक्ति की आजादी की सीमाओं के नियमन की बहस को नये सिरे से शुरू कर दिया। हालांकि, आपातकाल के सीमित कालखंड को छोड़ दें तो देश में हमेशा अभिव्यक्ति की आजादी का सम्मान किया गया है। सुप्रीम कोर्ट समेत कई उच्च न्यायालयों ने अभिव्यक्ति की आजादी को अक्षुण्ण बनाये रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। लेकिन आजादी के अतिक्रमण के बाद सूचना व प्रसारण मंत्रालय ने ओटीटी प्लेटफॉर्म हेतु एडवाइजरी जारी करते हुए संबंधित कानून के सभी प्रावधानों के अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा है। निस्संदेह, इंटरनेट और सोशल मीडिया के दौर में अभिव्यक्ति की आजादी की सीमाओं के निर्धारण की आवश्यकता है। हाल के दिनों में डिजिटल मंचों पर अश्लीलता व हिंसक अभिव्यक्ति के चलते इनके नियमन की जरूरत महसूस की जा रही है। खासकर पारिवारिक जीवन मूल्यों का अतिक्रमण करने वाली टिप्पणियों पर रोक जरूरी है। यदि स्थिति में सुधार नहीं होता तो बहुत संभव है कि सरकारी निगरानी बढ़ जाए। दरअसल, सूचना प्रसारण मंत्रालय ने इस बाबत बनी संसदीय समिति से कहा है कि समाज में इस बात को लेकर रोष है कि अभिव्यक्ति की आजादी के संवैधानिक अधिकार का अतिक्रमण करके हिंसक व अश्लील सामग्री का प्रसारण किया जा रहा है। वहीं संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी स्थायी समिति का कहना है कि इसके नियमन के लिये कुछ कानून तो हैं लेकिन वर्जित सामग्री के नियमन के लिये नया प्रभावी कानून होना चाहिए। ऐसी राय देश के जनप्रतिनिधियों, अदालतों तथा कुछ वैधानिक संस्थाओं ने व्यक्त की है। देश की शीर्ष अदालत का मानना रहा है कि यूट्यूब जैसे मंचों पर सामग्री साझा करने पर नियंत्रण हेतु कानून निष्प्रभावी नजर आते हैं। अब नये मीडिया मंचों पर विवादास्पद सामग्री पर अंकुश लगाने के लिये कानून में संशोधन की भी बात कही जा रही है। इसकी वजह यह भी है कि परंपरागत प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तो इस बाबत बने कानून के दायरे में आते हैं, लेकिन नए डिजिटल प्लेटफॉर्मों के लिये प्रभावी कानून नहीं है। निश्चित रूप से संविधान प्रदत्त अभिव्यक्ति की आजादी के दुरुपयोग पर अंकुश लगाने की जरूरत है।

अमेरिकी अपमान पर प्रधानमंत्री की चुप्पी ठीक नहीं

कांग्रेस लगभग अकेली है सामाजिक न्याय की लड़ाई मेंकांग्रेस : विश्वासघातियों का फोटो लगाने से अच्छा संदेश नहीं

डॉ. दीपक पाचपोर

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यह बयान देकर मोदी को गम्भीर संकट में डाल दिया है कि 'यह राशि उनके मित्र मोदी और भारत को मिली है।' इसे लेकर जहां भाजपा के प्रवक्ताओं, उसके आईटी सेल और ट्रोल आर्मी को सांप सूंघ गया है, वहीं कांग्रेस अब हमलावर है।

जो भारतीय जनता पार्टी यूएसऐड से मिले 21 मिलियन डॉलर की मदद के नाम पर कांग्रेस को फंसाने का जाल बुन रही थी, अंततः उसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी फंस गये हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यह बयान देकर मोदी को गम्भीर संकट में डाल दिया है कि 'यह राशि उनके मित्र मोदी और भारत को मिली है।' इसे लेकर जहां भाजपा के प्रवक्ताओं, उसके आईटी सेल और ट्रोल आर्मी को सांप सूंघ गया है, वहीं कांग्रेस अब हमलावर है। अब तक ट्रम्प के बयान की न तो भाजपा या केन्द्र सरकार ने पुष्टि की है और न ही खंडन, परन्तु अब गेंद सीधे मोदी के पाले में है। केवल उन्हीं की ओर से इस बाबत कोई बयान आने का महत्व होगा। ट्रम्प का यह बयान मोदी को केवल राशि मिलने तक सीमित न होकर अनेक अर्थ खोलता है। यह मामला कहां तक जायेगा, यह तो आने वाला समय ही बतायेगा, लेकिन इससे मोदी बुरी तरह से घिरते साफ दिखाई देते हैं। इसका पहला संकेत तो यही है कि ट्रम्प के आरोपों का किसी के पास कोई जवाब नहीं है। इस मामले के कई आयाम हैं। पहला यह कि कांग्रेस एवं विपक्षी दलों के पास मोदी के विरूद्ध बहुत बड़ा मामला हाथ लग गया है। चूंकि मोदी ट्रम्प के साथ अपनी मित्रता का बार–बार दावा करते रहे हैं, इसलिये उनकी पार्टी तथा समर्थक यह आरोप भी नहीं लगा सकते कि उनके या भारत के खिलाफ कतिपय ताकतें काम कर रही हैं, जैसा कि ऐसे मामलों में अक्सर कह दिया जाता है। अमूमन इस तरह के आरोप लगने पर इसे शविदेशी ताकतों का हाथ बताया जाता हैश अथवा शविपक्ष के इशारे पर रची जाने वाली साजिशश। अब तो उन पर दबाव है कि उन्हें खुद को पाक–साफ साबित करना है। ऐसा करने के लिये उन्हें ट्रम्प को झूठा साबित करना होगा। खुद के अलावा सभी विरोधी नेताओं को भ्रष्टाचारी करार देने वाले मोदी निरूत्तर हैं। भारत सरकार के ही वित्त मंत्रालय ने अपने रिकॉर्ड्स की छानबीन कर कह दिया है कि यूएसऐड की मदद से देश में 7 परियोजनाएं तो चल रही हैं परन्तु उनमें वोटर टर्नआउट बढ़ाने को लेकर कोई भी कार्यक्रम नहीं है। इससे यह सवाल भी उठने लगा है कि क्या इस राशि को छिपाया गया है या किसी गलत तरीके से लिया गया है जिससे सीधे मोदी अथवा भाजपा को लाभ मिला है? विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इसे चिंताजनक बतलाते हुए कहा कि श्इसकी जांच हो रही है जिससे सच्चाई सामने आ जायेगी। इस राशि का प्रदाय वोटर टर्नआउट बढ़ाने के लिये किया गया है, अतरू इसे पिछले दिनों हुए विभिन्न चुनावों में मतदान का प्रतिशत बढ़ने से जोड़ा जा रहा है। उल्लेखनीय है कि अनेक राज्यों के विधानसभा तथा लोकसभा चुनाव में मतदान समाप्त होने के समय जो प्रतिशत होता था, वह अगले तीन–चार घंटों में बड़े पैमाने पर बढ़ जाता था। यह माना जाता है कि इसके कारण अनेक राज्यों में हारती हुई भाजपा को सरकार बनाने में मदद मिली थी। महाराष्ट्र में तो हिमाचल प्रदेश की आबादी के बराबर के मतदाता पांच माह की अल्प अवधि में बढ़ गये। यहां तक कि लोकसभा चुनाव में भी कहा जाता है कि भाजपा ने करीब 80 सीटें मैनेज कीं वरना वह सरकार बनाने की स्थिति में नहीं थी। तो क्या यह 21 मिलियन की राशि इस तरह से वोटर टर्नआउट बढ़ाने के नाम पर खर्च की गयी जिससे भारत के कई चुनाव प्रभावित किये गये? यह प्रश्न भी उठ खड़ा हुआ है। पिछले कुछ दिनों से मोदी व भारत के बारे में या उन्हें प्रभावित करने वाले बयानों की श्रृंखला में ट्रम्प ने बैलेट पेपर की भी बात छेड़ दी है जिसके बारे में अनुमान है कि उनका इशारा भारत की चुनाव प्रक्रिया की ओर ही है जो पिछले कुछ समय में जबर्दस्त विवादों में है। जिन चुनावों की बात ऊपर की गयी है, उनमें गड़बड़ियां और कथित हेरा–फेरी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों से ही की गयी हैं। देश में इसका जबर्दस्त विरोध हो रहा है जबकि भाजपा, केन्द्र सरकार और उसके इशारे पर केन्द्रीय निर्वाचन आयोग ईवीएम के जरिये ही चुनाव कराता है। कई विरोधी दल और सिविल सोसायटियां इसके खिलाफ हैं और बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग कर रही हैं। चुनाव आयोग तो इस पर विपक्ष की बात सुनने के लिये तैयार ही नहीं है, सुप्रीम कोर्ट से भी यह मांग नामंजूर हो चुकी है। दुनिया के ज्यादातर विकसित व लोकतांत्रिक रूप से परिपक्व देश बैलेट पेपर से ही चुनाव कराते हैं। अमेरिका में भी यही प्रणाली अपनाई जाती है। देश में कई लोगों ने कहा है कि ईवीएम को हैक किया जा सकता है लेकिन चुनाव आयोग का विचार इसके ठीक विपरीत है। अब ट्रम्प ने उद्योगपति एलन मस्क को कम्प्यूटरों के मामले में किसी भी व्यक्ति से अधिक जानकार बतलाते हुए उनके हवाले से कहा कि ईवीएम को प्रभावित किया जा सकता है इसलिये बैलेट पेपर के जरिये निर्वाचन पद्धति ही श्रेष्ठ है। चूंकि फिलहाल इस पर विवाद सिर्फ भारत में ही चल रहा है, साफ है कि ट्रम्प का यह अप्रत्यक्ष आक्रमण मोदी पर ही है। भारत में अमेरिकी सामानों पर ऊंची शुल्क दरों को लेकर वे पहले ही कह चुके हैं कि भारत जितनी ऊंची दर लगायेगा, उनका देश भी भारत की वस्तुओं पर उतना ही टैरिफ रखेगा। कुल मिलाकर अमेरिकी राष्ट्रपति बार–बार सार्वजनिक तौर पर भारत को अपमानित करने की चेष्टा कर रहे हैं। लेकिन नरेन्द्र मोदी की इस मामले में असाधारण चुप्पी देश को इस समय काफी खल रही है।

डॉ. एनटीआर यूनिवर्सिटी इंटरकॉलेजिएट स्पोर्ट्स मीट का भव्य उद्घाटन

ताडेपल्लीगुडेम (आंध्र प्रदेश)। एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, प्रथिपाडु, (ताडेपल्लीगुडेम) ने डॉ. एनटीआर यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज इंटरकॉलेजिएट स्पोर्ट्स मीट के शानदार उद्घाटन समारोह की मेजबानी की। डॉ. एनटीआर यूनिवर्सिटी के विशिष्ट संरक्षण में आयोजित इस कार्यक्रम में एथलेटिकिज्म और खेलकूद कौशल का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला।

समारोह की शुरुआत एक प्रार्थना के साथ हुई, जिसने एक श्रद्धापूर्ण और प्रेरणादायक स्वर स्थापित किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथियों और गणमान्य व्यक्तियों को पुष्पमालाओं से भव्य स्वागत किया।

इस अवसर पर डॉ. एनटीआरयूएचएस, विजयवाड़ा के कुलपति डॉ. डीएसवीएल नरसिम्हम मुख्य अतिथि थे। खेलकूद मीट के अध्यक्ष और एएसआर होम्योपैथी मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. यूएसवी प्रसाद ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और प्रतिभागियों और उपस्थित लोगों का हार्दिक स्वागत किया। मुख्य अतिथियों में डॉ. विजय श्रीजीत, ट्रिनिटी हॉस्पिटल्स, ताड़ेपल्लीगुडेम के निदेशक डॉ. ई. त्रिमूर्ति, खेल बोर्ड के सचिव, डॉ. एनटीआरयूएचएस, विजयवाड़ा शामिल थे। मंच पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने प्रतीकात्मक दीप प्रज्ज्वलित कर खेल प्रतियोगिता का आधिकारिक उद्घाटन किया। मुख्य अतिथि डॉ. डीएसवीएल नरसिम्हन ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया । इसके बाद 20 प्रतिभागियों ने आयुष और फिजियोथेरेपी कॉलेजों के अनुशासन और समन्वय को प्रदर्शित करते हुए एक शानदार मार्च पास्ट किया । मार्चिंग बैंड के नेतृत्व में एथलीटों की समन्वित हरकतों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके बाद, खेलों की भावना का एक शाश्वत प्रतीक मशाल रिले शुरू हुई। डॉ. नरसिम्हन ने फिर औपचारिक रूप से खेल प्रतियोगिता के उद्घाटन की घोषणा की और एथलीटों की आकांक्षाओं के प्रतीक के रूप में आकाश में गुब्बारे छोड़े। डॉ. एनटीआर यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज के कुलपति डॉ. डीएसवीएल नरसिम्हन ने खेल और जीवन के बीच समानता पर जोर दिया, अनुकूलनशीलता, भागीदारी और दृढ़ता के महत्व पर प्रकाश डाला। कुलपति ने छात्रों को एक रणनीतिक मानसिकता के साथ जीवन जीने के लिए प्रोत्साहित किया, ठीक उसी तरह जैसे एथलीट खेल के दौरान अपनी रणनीतियों को अनुकूलित करते हैं। उन्होंने असफलताओं का सामना करने पर षविचारों को पुनर्गठित करनेष और रणनीतियों की आवश्यकता पर जोर दिया, इस बात पर जोर दिया कि सफलता निरंतर अनुकूलन से आती है। डॉ. नरसिम्हन ने भागीदारी के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि जीतना महत्वपूर्ण है, लेकिन

प्रत्येक आयोजन में लगाया गया प्रयास अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने छात्रों को जीतने की उनकी कथित संभावनाओं की परवाह किए बिना अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि यह ष्पदक जीतना नहींष बल्कि ष्आप कैसे भाग लेते हैंष और बाधाओं को दूर करते हैं, वास्तव में वह मायने रखता है। उन्होंने खेल और जीवन की यात्रा के बीच एक संबंध स्थापित किया, यह देखते हुए कि दोनों के लिए समर्पण, दृढ़ता और चुनौतियों से निपटने की क्षमता की आवश्यकता होती है। कुलपति ने आयोजकों, प्रतिभागियों और समारोह बैंड को कार्यक्रम में उनके योगदान के लिए बधाई देकर समापन किया।

ट्रिनिटी हॉस्पिटल्स के निदेशक डॉ. विजय श्रीजीत ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए शारीरिक स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य के बीच महत्वपूर्ण संबंध पर जोर दिया। उन्होंने 20 से अधिक कॉलेजों को एक साथ लाने वाले इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए प्रबंधन और डॉ. प्रसाद की सराहना की। डॉ. शुजीत ने कहा कि आज की दुनिया में, शैक्षणिक और करियर के लक्ष्यों की खोज अक्सर शारीरिक स्वास्थ्य के महत्व को कम कर देती है। उन्होंने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के बीच एक मजबूत संबंध को प्रदर्शित करने वाले कई अध्ययनों के निष्कर्षों पर प्रकाश डाला। उन्होंने आगे आत्म–विश्वास की शक्ति पर जोर दिया, छात्रों को आत्मविश्वास विकसित करने और सफलता की कल्पना करने के लिए प्रोत्साहित किया। डॉ. शुजीत का संदेश सकारात्मक मानसिकता बनाए रखने और खेल और जीवन दोनों में अपनी क्षमताओं पर विश्वास करने के महत्व पर केंद्रित था। डॉ. एनटीआरयूएचएस, विजयवाड़ा के खेल बोर्ड के सचिव डॉ. ई. त्रिमूर्ति ने भारत में विश्वविद्यालय की अनूठी स्थिति पर प्रकाश डाला, डॉ. एनटीआरयूएचएस सभी आयोजनों को एक ही स्थान पर आयोजित करके खेलों को प्राथमिकता देता है।

खेल प्रतियोगिता के प्राचार्य और अध्यक्ष डॉ. यू.एस.वी. प्रसाद ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए समग्र विकास में खेलों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे शारीरिक गतिविधि शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों को बढ़ावा देती है, तनाव से राहत देती है और ध्यान केंद्रित करने में मदद करती है। डॉ. प्रसाद ने इस बात पर जोर दिया कि कैसे खेल चरित्र का निर्माण करते हैं, खेल भावना, लचीलापन और जीत और असफलता दोनों को स्वीकार करने को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने डॉ. एनटीआरयूएचएस मंच को प्रतिभा दिखाने के लिए एक बेहतरीन स्थान के रूप में मनाया और छात्रों को आश्वस्त किया कि उनकी क्षमताओं को पहचाना जाएगा और उनका पोषण किया जाएगा। उन्होंने इस अवसर को बनाने में डॉ. ई. त्रिमूर्ति और खेल बोर्ड के सहयोग को स्वीकार किया। डॉ. प्रसाद ने प्रतिभागियों को सफलता और असफलता को समभाव से देखने और जीवन के निरंतर सीखने की प्रक्रिया को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने टीम वर्क, फोकस, लक्ष्य की कल्पना और गलतियों से सीखने के महत्व पर जोर दिया। इस स्पोर्ट्स मीट में 20 आयुष और फिजियोथेरेपी कॉलेजों के छात्रों ने भाग लिया। इस आयोजन में पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए कई तरह के खेल शामिल थे। पुरुषों ने वॉलीबॉल (18 टीमें), क्रिकेट (15 टीमें), बैडमिंटन (20 टीमें), टेबल टेनिस (7 टीमें), शतरंज (15 टीमें) और एथलेटिक्स (18 टीमें) में भाग लिया। महिलाओं के खेलों में वॉलीबॉल (6 टीमें), थ्रोबॉल (12 टीमें), बैडमिंटन (12 टीमें), टेबल टेनिस (4 टीमें), शतरंज (8 टीमें) और एथलेटिक्स (10 टीमें) शामिल थीं।

ट्रंप के खुलासों पर मोदी की चुप्पी क्यों ?

शकील अख्तर

ट्रंप अच्छी दोस्ती निभा रहे हैं हमारे प्रधानमंत्री मोदीजी से! माय डियर फ्रेंड कह कह कर रोज नए खुलासे कर रहे हैं। अब चौथी बार 18 मिलियन डालर की बात कही। कहां गया यह पैसा? किसके पास आया यह तो अब सवाल ही नहीं। प्रेसिडेन्ट ट्रंप ने खुद कहा कि माय डियर फ्रेंड मोदी को दिया। मगर मोदी जी ने क्या किया? क्यों लिया? राहुल को बदनाम करने के लिए? राहुल ने खुद कहा कि उन्हें बदनाम करने के लिए भाजपा ने हजारों करोड़ रुपया खर्च किया। कांग्रेस के मीडिया डिपार्टमेंट के चेयरमेन पवन खेड़ा ने कहा कि 2021 से 2024 के बीच अमेरिका से 650 मिलियन डालर (करीब 600 करोड़ रुपया) भारत आया। और राहुल ने जो बात कही कि कितना पैसा उनके खिलाफ इस्तेमाल किया गया है वह इस बीच कही थी। 2022 में। अपनी भारत जोड़ो यात्रा के आखिरी दौर में। कांग्रेस ने मोदी सरकार से सही मांग की है कि सरकार को व्हाइट पेपर लाना चाहिए। मतलब सारे तथ्य देश के सामने रखना। यह भारत की छवि के लिए भी जरूरी है। प्रधानमंत्री पद के सम्मान और उसकी गरिमा के लिए भी। कोई चाहे वह अमेरिकी राष्ट्रपति ही क्यों न हो कैसे इस तरह की बात कर सकता है? सवाल बहुत सारे हैं! लेकिन दो दिन से पूरी तरह चुप्पी है। पवन खेड़ा जो इस मामले में रोज नए सवाल कर रहे हैं, ने बहुत कठोर होकर कहा कि संघी पत्रकार अब क्यों नहीं बोल रहे हैं? अपनी मेहनत और निडरता से जनता के बीच लोकप्रिय नेता के तौर पर स्थापित हो गए राहुल गांधी के साहसिक सवालों का असर अब पार्टी में दिख रहा है। सब तो नहीं मगर कई नेता हिम्मत के साथ संघ की सच्चाइयां लोगों के सामने लाते हैं। राहुल पर तो संघ और भाजपा के लोगों ने देश भर में दर्जनों मुकदमे लगा रखे हैं। मगर राहुल उनसे डरने के बदले मामलों के सारे तथ्य सामने लाने की मांग कर रहे हैं। अभी पूना की एक अदालत में सावरकर की मानहानि के मामले में राहुल ने कहा कि सावरकर के मामले में पूरे तथ्य अदालत के सामने आना चाहिए। तथ्य और कानून दोनों के जटिल सवाल हैं। गहन और विस्तृत जिरह की जरूरत है। ऐतिहासिक साक्ष्य हैं। सब सामने लाना है। इसलिए मुकदमे की प्रवृति बदली जाकर इसे समन मामले के रूप में सुना जाए। सावरकर की ऐतिहासिक और अकादमिक जांच हो जाए। संक्षेप में समन मामले में राहुल यह बता सकेंगे कि उन्होंने जो कहा था वह क्यों कहा था। उसके आधार क्या थे। दस्तावेज कौन से हैं। इतिहास, तथ्य क्या कहता है। मतलब राहुल सावरकर के मामले में सारी सच्चाइयां सामने रख कर कह सकते हैं कि मैंने इस आधार पर सावरकर पर बोला था। यह बहुत साहस का काम है। मुकदमे से डरना नहीं बल्कि उसका सामना करते हुए सारी सच्चाइयां सामने रख देना। यह मौका होगा। मुकदमा करने वाले संघ, भाजपा के लोग भी सावरकर के बारे में तथ्य रखें और राहुल कांग्रेस भी। एक बार अदालत के सामने सावरकर की सारी हकीकत कि कितनी बार उन्होंने अंग्रेजों से माफी मांगी थी। उनके लिए काम करने की इच्छा व्यक्त की थी। इसके बदले पेंशन ली। सब सामने आ जाएगा। यह भी कि जो वीर कहते हैं। वह भी सावरकर खुद ही अपने नाम के साथ लिखते थे। तो राहुल का यह साहस अब पार्टी में दिखने लगा है। अभी कुछ साल पहले तक इसी पार्टी में यह हालत थी कि राहुल विरोधी नेता नेहरू की बात करने पर कह देते थे हम नेहरुवादी नहीं। कांग्रेस ऐसे ही बरबाद नहीं हुई है। यूएसएड के जरिए अमेरिका से आने वाला डालर मनमोहन सिंह सरकार को अस्थिर करने के लिए भी खर्च किया गया था। कांग्रेस यह तो कहती है कि वह पैसा अन्ना हजारे, संघ, भाजपा के नेताओं, केजरीवाल को मिला। मगर इस सवाल का जवाब उसके पास क्या है कि सरकार तो उसकी थी। पैसा आया कैसे? बंटा कैसे? उसकी सरकार और नेता क्या कर रहे थे? क्या राहुल विरोध उस समय से शुरू नहीं हो गया था? क्या कुछ राहुल विरोधी कांग्रेस के बड़े नेता भी अंदर से अन्ना हजारे के आंदोलन के समर्थक थे? इन सवालों से कांग्रेस को घबराना नहीं चाहिए। अगर नई कांग्रेस बनाना है तो उन नामों की निशानदेही करना होगी जिन्होंने कांग्रेस और यूपीए सरकार में रहकर मनमोहन सिंह सरकार को कमजोर किया। राहुल की असली परीक्षा है यह कि वह जिस ताकत से मोदी से लड़ रहे हैं उतनी ही हिम्मत से पार्टी के अंदर के विभीषणों की पहचान करें। सिर्फ अध्यक्ष खरगे जी से कहने से काम नहीं चलेगा कि खरगे जी चाबुक चलाइए। नाम लिखकर दें। फिर देखिए खरगे जो खुद इस समय बहुत साफ–साफ पार्टी, संगठन के बारे में लगातार बोल रहे हैं वह किस तेजी से सफाई करते हैं। यह ऐतिहासिक मौका है। इस समय भी अगर राहुल और खरगे ने ऊपर–ऊपर ही काम किया तो पार्टी इससे मजबूत नहीं होगी। दोनों काम साथ करना होंगें। पार्टी को नुकसान पहुंचाने वालों को दरवाजे के बाहर तक ले जाकर छोड़ना होगा। और मजबूत विचारधारा के मौका न पाए नेता कार्यकर्ताओं को ढूंढकर संगठन में लाना होगा। इतना पिटने के बाद भी आज कांग्रेसी गांव–गांव मोहल्ले–मोहल्ले में है। वह नहीं डरता। नेहरू–गांधी की विचारधारा से जुड़ा है। और इस गांधी–नेहरू परिवार से। यही कांग्रेस की ताकत है और कोई पार्टी होती तो अभी तक खत्म हो जाती। बड़े नेताओं ने तो कोई कसर छोड़ी नहीं। अभी भी शशि थरूर जैसे लोग जिन्हें पार्टी ने सब कुछ दिया। मनमोहन सिंह सरकार में मंत्री बनाया। जहां वे खर्च कम करने के लिए मंत्रियों को जहाज के सामान्य क्लास में बैठने की बात की ऐसी प्रतिक्रिया देते हैं कि यह सामान्य क्लास तो कैटल क्लास (ढोरों का बाड़ा) है। केरल से पार्टी जिताती है। जो केरल की राजनीति नहीं जानते उनके लिए कि वहां कोई अपनी हैसियत से नहीं जीत सकता। पार्टी का संगठन ही उस पढ़े–लिखे राज्य में महत्वपूर्ण है। मेट्रो मेन कहलाने वाले श्रीधरन वहां हार गए थे। क्योंकि जिस पार्टी से लड़े थे भाजपा से उसकी जमीन नहीं है। थरूर को पार्टी जिताती है। तो थरूर जैसे नेता जो ज्यादा उड़ते हैं चाहे जब मोदी की तारीफ करने लगते है उनसे कांग्रेस को डरना छोड़ना पड़ेगा। अमेरिका से आए डालर पर कांग्रेस सही सवाल उठा रही है। हर बात पर मोदी का बचाव करने आ जाते मीडिया वालों के पास ट्रंप के खुलासों का कोई जवाब नहीं है। रास्ता बस एक ही कि ट्रंप से लड़ जाएं! मगर इतनी हिम्मत न मीडिया में और न मोदी में है। यह तो इन्दिरा गांधी में थी। और उस समय की स्वतंत्र प्रेस में थी। तब के राष्ट्रपति निक्सन घबरा गए थे। कुंठित होकर गालियां बड़बड़ाने लगे थे। कांग्रेस के कुछ लोग इस समय सही ट्रेक पर हैं। कहा कि जेपी आंदोलन के जरिए इन्दिरा को हटाने की साजिश इसीलिए अमेरिका ने की थी। इन्दिरा गांधी से बांग्लादेश बनाने का बदला लेने के लिए। कांग्रेस में जेपी आन्दोलन के समर्थक भी लोग हैं। लोहिया के भी जो हिन्दू महासभा की तरह अलग थलग पड़ी जनसंघ (भाजपा का पुराना नाम) को मुख्यधारा में लाए। केवल अपने अंध नेहरू विरोध के कारण। डालर का मामला और ऐसे कई मामले अभी आते रहेंगे। कांग्रेस अगर मजबूत है तो जनता में इनका असर होगा। मैसेज जाएगा। नरेटिव (कहानी) बदलेगा। कांग्रेस को दोनों मोर्चों पर साथ लड़ना होगा। मोदी वाले पर तो राहुल खरगे और कुछ दूसरे कांग्रेसी मजबूती से डटे हुए हैं। अंदर वाले पर कमजोरी है। अंदर के विभीषणों को कोई बाहर नहीं कर पा रहा है। वह बहुत जरूरी है। राहुल–खरगे की असली परीक्षा वही है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

उर्वशी रौतेला

ने बॉलीवुड के अलावा म्यूजिक वीडियो में भी कमाया नाम, आज मना रही 31वां जन्मदिन

आज बॉलीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौतेला अपना 32वां जन्मदिन मना रहे हैं। उर्वशी रौतेला ने बॉलीवुड के साथ–साथ म्यूजिक वर्ल्ड में भी टैलेंट का जलवा बिखेर चुकी हैं। उनके स्टाइल के चर्चे बॉलीवुड गलियारों में फेमस हैं। उर्वशी रौतेला ने अपनी कड़ी मेहनत और लगन से इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। तो आइए जानते हैं एक्ट्रेस के जन्मदिन के मौके पर उर्वशी रौतेला के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और शिक्षा

उत्तराखंड के हरिद्वार में 25 फरवरी 1994 को उर्वशी रौतेला का जन्म हुआ था। पढ़ाई के दौरान ही उर्वशी रौतेला ने मॉडलिंग में कदम रख दिया था। उन्होंने इस दौरान कई ब्यूटी पेजेंट्स में हिस्सा लिया था। कम उम्र में ही उर्वशी रौतेला अपनी खूबसूरती और टैलेंट के दम पर मिस टीन इंडिया 2009 का खिताब जीता। इसके बाद वह कई ब्यूटी कॉम्पिटिशन में विनर रहीं। उर्वशी के सबसे बड़ी उपलब्धि तब सामने आई, जब उन्होंने मिस डीवा यूनिवर्स 2015 का खिताब अपने नाम किया। इसके अलावा वह भारत को रिप्रजेंट करने के लिए मिस यूनिवर्स कॉम्पिटिशन में गईं।

बॉलीवुड में एंट्री और फिल्में

साल 2013 के बाद उर्वशी रौतेला ने बॉलीवुड में कदम रखा था। उनकी पहली फिल्म सनी देओल के साथ 'सिंह साब द ग्रेट' थी। इस फिल्म में एक्टिंग की काफी तारीफ हुई थी। इसके बाद उर्वशी लगातार कई बड़े प्रोजेक्ट्स का हिस्सा रहीं। उन्होंने वो सनम रे, ग्रेट ग्रैंड मस्ती, हेट स्टोरी 4, पागलपंती और वर्जिन भानुप्रिया जैसी फिल्मों में काम किया है। उर्वशी ने न सिर्फ बॉलीवुड बल्कि कई म्यूजिक वीडियो और स्पेशल डांस नंबर से अपना नाम कमाया। इसके साथ ही यो यो हनी सिंह के साथ उर्वशी रौतेला का गाना 'लव डोज' काफी फेमस हुआ था। आज भी यह गाना लोग काफी पसंद करते हैं।

दो क्रिकेटर्स संग जुड़ा नाम

एक्ट्रेस का नाम भारतीय क्रिकेटर ऋषभ पंत से भी जुड़ चुका है। ऋषभ पंत के एक्सीडेंट के बाद एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर उनकी फोटो शेयर कर चिंता जताई थी। हालांकि उर्वशी और ऋषभ पंत ने कभी भी अपने रिश्ते पर कोई ऑफिशियल मुहर नहीं लगाई। इसके अलावा उर्वशी रौतेला का नाम पाकिस्तानी क्रिकेटर नसीम शाह के साथ भी जुड़ चुका है। रूमर्ड था कि दोनों एक–दूसरे को डेट कर रहे हैं।

डाकू महाराज से एक्ट्रेस ने बटोरी सुर्खियां

हाल ही में एक्ट्रेस ने साउथ सिनेमा में भी एंट्री की। उन्होंने 'डाकू महराज' के लिए काफी सुर्खियां बटोरी थीं। अभिनेत्री के दाबिड़ी–दाबिड़ी गाना भी सोशल मीडिया पर काफी ट्रेंड कर रहा है। इस फिल्म में उर्वशी रौतेला के साथ नंदमुरी बालकृष्ण, बॉबी देओल और प्रज्ञा जायसवाल भी मुख्य भूमिका में हैं।

यहां शादी के 37 साल बाद गोविंदा का सुनीता से हो रहा तलाक! मराठी एक्ट्रेस से अफेयर के चर्चे

90 दशक के दिग्गज अभिनेता गोविंदा की गृहस्थ जीवन में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। यह चर्चा जब तूल पकड़ गई, जब खबरें आ रही हैं कि गोविंदा पत्नी आहूजा से तलाक होने वाला है। गोविंदा और सुनीता आहूजा अपनी शादी के 37 साल बाद पुरानी शादी को खत्म करने का फैसला ले रहे हैं। गौरतलब है कि सुनीता बीते कुछ इंटरव्यूज में बता चुकी हैं कि गोविंदा उनके साथ नहीं रहते हैं। सुनीता मजाक में उनके अफेयर के बारे में भी बोल चुकी हैं। रुमर्स हैं कि गोविंदा और सुनीता के अलग होने की वजह एक 30 साल की मराठी एक्ट्रेस है। लेकिन, गोविंदा या सुनीता दोनों की तरफ से इस पर कोई ऑफिशियल स्टेटमेंट नहीं आया है। गोविंदा की पत्नी अपनी बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती है। कुछ समय पहले ही गोविंदा को गोली लगी तब यह बात सामने आई थी कि वह सुनीता के साथ नहीं रहते। इस बीच दोनों के तलाक के चर्चे तूल पकड़ रहा है। इतना ही नहीं, त्मककपज पर भी पोस्ट दिख रही है। इस पोस्ट पर लिखा है कि गोविंदा का तलाक होने वाला है। एक रेडिट यूजर ने लिखा है, 'सुनीता रीसेंट कई इंटरव्यूज में हिंट कर चुकी हैं कि गोविंदा का अफेयर है। वह उनके फ्लैट के ऑपोजिट बंगले में रहते हैं क्योंकि उनके शेड्यूल मैच नहीं करते। उस इंसान के साथ रहना कितना एग्जॉस्टिंग होता होगा जिसके इतने अफेयर्स को माफ किया, मां पूरे और पूरे परिवार की देखभाल की और उसने बुढ़ापे पर छोड़ दिया। एक और यूजर ने लिखा, 'अब पता लगा कि गोविंदा को गोली क्यों लगी थी। एक कमेंट हैं, सुनीता ने जरुर उन दोनों को रंगे हाथों पकड़ा होगा।' आपतो बताते चलें कि गोविंदा और सुनीता दो बच्चों के पेरेंट्स हैं। दोनों की शादी 11 मार्च 1987 को हुई थी। जब दोनों की शादी हुई थी तब सुनीता काफी छोटी थीं। सुनीता की उम्र 18 और गोविंदा 24 साल के थे। अब सुनीता अपने बेटे यशवर्धन और टीना के साथ रहती हैं। गोविंदा उनसे अलग रहती हैं।

कभी बैकग्राउंड डांसर के रूप में करते थे अभिनेता शाहिद कपूर, आज मना रहे 44वां जन्मदिन

> शाहिद कपूर डांस में भी काफी माहिर हैं और एक दौर ऐसा भी रहा जब वह बैकग्राउंड डांसर के रूप में काम किया करते थे। अभिनेता फिल्म 'दिल तो पागल है' और 'ताल' जैसी कई बॉलीवुड फिल्मों में बैकग्राउंड डांसर के रूप में नजर आए। इसके बाद वह कई विज्ञापनों में भी नजर आए।

आज यानी की 25 फरवरी को अभिनेता शाहिद कपूर अपना 44वां जन्मदिन मना रहे हैं। वह अपनी शानदार एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने के लिए बहुत मेहनत की है। हालांकि फिल्मी दुनिया में अपना मुकाम बनाने के लिए शाहिद कपूर को काफी संघर्ष करना पड़ा। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर शाहिद कपूर के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और परिवार

नई दिल्ली में 25 फरवरी 1981 को शाहिद कपूर का जन्म हुआ था। वह अभिनेता पंकज कपूर और अभिनेत्री नीलम अजीम के बेटे हैं। बता दें कि जब शाहिद महज 4 साल के थे, तो इनके माता–पिता का रिश्ता टूट गया था। भले ही शाहिद कपूर फिल्मी परिवार से ताल्लुख रखते हैं। लेकिन, इंडस्ट्री में करियर बनाने के लिए शाहिद कपूर को काफी संघर्ष करना पड़ा।

फिल्मी करियर

शाहिद कपूर ने कई ऐसे रोल किए हैं, जिनको लोग आज भी याद करते हैं। उनकी खास बात यह रही कि लोगों ने उनको चॉकलेटी बॉय से लेकर राउडी लुक तक में दर्शकों ने पसंद किया। लेकिन यह स्टारडम उनको ऐसे ही नहीं मिल गया था। बल्कि वह अपने स्ट्रगल के दिनों को याद करके आज भी इमोशनल हो जाते हैं, कैसे 250 ऑडिशन देने वाले शाहिद का 300 करोड़ी फिल्म देने का सफर रहा। शाहिद कपूर डांस में भी काफी माहिर हैं और एक दौर ऐसा भी रहा जब वह बैकग्राउंड डांसर के रूप में काम किया करते थे। अभिनेता फिल्म 'दिल तो पागल है' और 'ताल' जैसी कई बॉलीवुड फिल्मों में बैकग्राउंड डांसर के रूप में नजर आए। इसके बाद वह कई विज्ञापनों में भी नजर आए। वहीं लंबे संघर्ष के बाद साल 2003 में शाहिद कपूर ने फिल्म 'इश्क विश्क' से बॉलीवुड में कदम रखा। इस फिल्म में शाहिद को काफी पसंद किया गया। इसके बाद अभिनेता फिल्मों में लीड रोल में नजर आए।

करियर की सबसे बड़ी हिट

अभिनेता शाहिद कपूर ने 'फिदा', 'दिल मांगे मोर', 'दीवाने हुए पागल', 'वाह! लाइफ हो तो ऐसी' आदि फिल्मों में काम किया है। वहीं साल 2006 में सूरज बड़जात्या की फिल्म 'विवाह' शाहिद के करियर की सबसे बड़ी हिट साबित हुई। इस फिल्म में शाहिद के अभिनय को काफी पसंद किया गया। फिर साल 2007 में इम्तियाज अली की फिल्म 'जब वी मेट' में शाहिद के करियर की हिट फिल्मों में से एक है। साल 2009 में फिल्म 'कमीने' में शाहिद कपूर ने दमदार एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीत लिया था। इसके बाद वह फिल्म 'हैदर', 'उड़ता पंजाब', 'पद्मावत' जैसी फिल्मों में नजर आए। वहीं साल 2021 में फिल्म 'कबीर सिंह' ने एक बार फिर अभिनेता के करियर को उंछाल दी। इसके अलावा शाहिद कपूर फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' और 'देवा' में नजर आए।

हिना खान की मेडिकल रिपोर्ट पर बड़ा एक्शन, 24 घंटे के भीतर हुई कार्रवाई

टीवी इंडस्ट्री की जानी–मानी अभिनेत्री हिना खान इन दिनों स्टेज 3 ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही हैं। एक तरफ जहां फैंस उनके जल्द ठीक होने की कामना कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर एक्ट्रेस रोजलिन खान ने हिना के कैंसर को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। रोजलिन ने हिना खान के कैंसर को पब्लिसिटी स्टंट और नौटंकी करार दिया है, जिससे सोशल मीडिया पर हलचल मच गई है।स्टेज 4 कैंसर को मात दे चुकीं रोजलिन खान का कहना है कि हिना खान ने अपने कैंसर के इलाज के बारे में जो बातें साझा की हैं, वो पूरी तरह से झूठ हैं और यह सब सिर्फ पब्लिसिटी के लिए किया जा रहा है। इतना ही नहीं, उन्होंने तो पिछले दिनों हिना की मेडिकल रिपोर्ट भी सोशल मीडिया पर शेयर की थी, जिसमें उन्होंने दावा किया कि वह स्टेज 3 कैंसर से नहीं, बल्कि स्टेज 2 कैंसर से पीड़ित हैं। यह रिपोर्ट उन्होंने 20 फरवरी को अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट की थी, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुई। इस रिपोर्ट के जरिए रोजलिन ने यह साबित करने की कोशिश की कि हिना खान ने कैंसर के इलाज को लेकर जो बयान दिए हैं, वे झूठे हैं।

फाल्गुन भौम प्रदोष व्रत से मिलती है सभी समस्याओं से मुक्ति

आज भौम प्रदोष व्रत है, फाल्गुन माह का पहला प्रदोष व्रत मंगलवार के दिन है, इसलिए यह भौम प्रदोष व्रत है। इस बार भौम प्रदोष व्रत के दिन त्रिपुष्कर योग का निर्माण हो रहा है, जिसमें तीन गुना फल प्राप्त होता है तो आइए हम आपको भौम प्रदोष व्रत का महत्व एवं पूजा विधि के बारे में बताते हैं।

जानें फाल्गुन भौम प्रदोष व्रत के बारे में

हिंदू धर्म में प्रदोष व्रत का विशेष महत्व है। यह व्रत भगवान शिव को समर्पित किया गया है। प्रदोष का व्रत महीने में शुक्ल और कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को पड़ता है। जिस दिन जो वार रहता है उसके नाम से प्रदोष व्रत को जाना जाता है। जो प्रदोष व्रत मंगवार को पड़ता है उसे भौम प्रदोष व्रत कहा जाता है, क्योंकि मंगल का एक नाम भौम भी है। इस दिन भगवान शिव के पूजन और व्रत का विधान है। पंडितों के अनुसार प्रदोष का व्रत करने से जीवन के सभी दुख दूर हो जाते हैं।

प्रदोष व्रत की महिमा का उल्लेख शिवपुराण में मिलता है। यह व्रत भगवान शिव और माता पार्वती का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए किया जाता है। कहा जाता है कि यदि किसी की कोई इच्छा पूरी नहीं हो रही है, तो उन्हें इस व्रत का पालन अवश्य करना चाहिए। इस व्रत के माध्यम से सभी की मनोकामनाएं पूरी होती हैं और जीवन की समस्याओं से भी मुक्ति मिलती है। भौम प्रदोष व्रत के दिन कुछ कार्यों को करने से मना किया गया है।

फाल्गुन भौम प्रदोष व्रत का शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, फाल्गुन के पहले प्रदोष व्रत के लिए जरूरी फाल्गुन कृष्ण त्रयोदशी तिथि 25 फरवरी को दोपहर 12 बजकर 47 मिनट पर प्रारंभ होगी, यह तिथि 26 फरवरी को सुबह 11 बजकर 8 मिनट तक मान्य है। ऐसे में फाल्गुन का पहला प्रदोष व्रत यानि भौम प्रदोष व्रत 25 फरवरी को है।

फाल्गुन भौम प्रदोष व्रत में भगवान शिव के पूजन और व्रत का विधान

भौम प्रदोष व्रत के दिन भगवान शिव के पूजन और व्रत का विधान है और प्रदोष व्रत के दिन प्रदोष काल में पूजन का महत्व है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, प्रदोष का व्रत और इस दिन पूजन करने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं और आशीर्वाद प्रदान करते हैं। प्रदोष के दिन व्रत और पूजन करने से जीवन के सारे दुख दूर हो जाते हैं और जीवन में खुशहाली आती है। हिंदू धर्म शास्त्रों में बताया गया है कि भौम प्रदोष के दिन विशेष सावधानियां बरतनी चाहिए। इस दिन कुछ काम नहीं करने चाहिए, धार्मिक मान्यता है कि इससे व्रत का फल प्राप्त नहीं होता है।

फाल्गुन भौम प्रदोष व्रत के दिन ऐसे करें पूजा

पंडितों के अनुसार फाल्गुन भौम प्रदोष व्रत का विशेष महत्व है इसलिए इस दिन सुबह सबसे पहले भगवान शिव और माता पार्वती और समस्त शिव परिवार का पंचामृत से अभिषेक करें। इसके बाद सभी को वस्त्र अर्पित करें। शाम के समय स्नान करके भगवान शिव की उपासना करें। इसके लिए सबसे पहले भगवान शिव को भोग लगाएं। घी के दीपक आठ अलग–अलग दिशाओं में जलाएं। इसके बाद बेल पत्र, गंध, फूल, धूप, दीप, चावल, नैवेद्य, लौंग, सुपारी आदि सामान अर्पित करें। इसके बाद प्रदोष व्रत की कथा का पाठ करें और शिव चालीसा का पाठ करें। अंत में भगवान शिव, माता पार्वती की आरती करें। प्रदोष व्रत में रात्रि जागरण का भी विधान है। ऐसे में शिव भक्तों को इस दिन रात में भगवान शिव के मंत्रों का जप करना चाहिए।

फाल्गुन भौम प्रदोष व्रत का महत्व

फाल्गुन भौम प्रदोष व्रत के महत्व का वर्णन शिव पुराण में बताया गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार जो भी सच्चे मन से प्रदोष का व्रत और भगवान शिव का पूजन करता है उसकी सारी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं। साथ ही भगवान शिव की कृपा से मरने के बाद उसको शिव लोक में जगह मिलती है और कुंडली के चंद्र दोष से मुक्ति मिल जाती है।

फाल्गुन भौम प्रदोष व्रत के दिन गलती से भी न करें ये काम

फाल्गुन भौम प्रदोष व्रत के दिन भगवान शिव की पूजा करते समय तुलसी का पत्ता न चढ़ाएं। इस दिन नीले रंग के कपड़े न पहनें। तामसिक भोजन और शराब का सेवन न करें। किसी का अपमान न करें और अपशब्दों का प्रयोग न करें। व्रत रखने वाले इस दिन बाल और नाखून न काटें।

फाल्गुन भौम प्रदोष व्रत पर करें ये काम, मिलेगा लाभ

फाल्गुन भौम प्रदोष व्रत के दिन प्रातः स्नान करें। भगवान शिव की आराधना प्रदोष काल में ही करें। शिव जी के 108 नामों का जप करें और फलाहारी व्रत का पालन करें।

बच्चों को किस उम्र में कौन से ड्राई फ्रूट्स खिलाएं? जानिए पूरी जानकारी

बच्चों की सेहत और विकास के लिए सही डाइट बहुत महत्वपूर्ण होती है। ड्राई फ्रूट्स (सूखे मेवे) पोषक तत्वों का बेहतरीन स्रोत होते हैं, जो बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। बच्चों को स्वस्थ रखने के लिए इनका सेवन बहुत फायदेमंद हो सकता है। हालांकि, बच्चों के लिए इनका सही सेवन और सही उम्र पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। आइए जानते हैं, बच्चों को कौन से ड्राई फ्रूट्स कब और कैसे खिलाने चाहिए।

6 महीने से 1 साल तक

इस उम्र के बच्चों का पाचन तंत्र बहुत नाजुक और कमजोर होता है। इसलिए, इस उम्र में बच्चों को सीधे तौर पर ड्राई फ्रूट्स नहीं देना चाहिए। इसके बजाय, सूखे मेवों को पाउडर बनाकर दिया जाता है। आप बादाम, काजू, पिस्ता, और किशमिश को सुखाकर उनका पाउडर बना सकते हैं और इसे दूध या दलिया में मिला कर बच्चे को दे सकते हैं। पाउडर के रूप में देने से बच्चों को इनका स्वाद भी मिल जाता है और पाचन में कोई परेशानी नहीं होती। इसके अलावा, आप इन सूखे मेवों को रात भर भिगोकर भी बच्चे को दे सकते हैं, क्योंकि भिगोने से इनमें मौजूद पोषक तत्व बेहतर तरीके से पाचन तंत्र द्वारा अवशोषित हो पाते हैं। यह बच्चों को प्रोटीन, विटामिन, और खनिजों का अच्छा स्रोत प्रदान करता है।

1 साल से 3 साल तक

1 से 3 साल के बच्चों का पाचन तंत्र थोड़ा मजबूत हो जाता है, इसलिए इस उम्र के बच्चों को ड्राई फ्रूट्स छोटे टुकड़ों में काटकर दिए जा सकते हैं। इस उम्र में बच्चों को बादाम, काजू, पिस्ता और किशमिश खिलाना उपयुक्त रहता है। हालांकि, किशमिश को पहले अच्छे से धोकर और सूखा कर देना चाहिए ताकि उसमें कोई गंदगी न हो। इन ड्राई फ्रूट्स को बच्चे के नाश्ते में या फिर दूध, दही या दलिये में मिलाकर दिया जा सकता है।

3 साल से 5 साल तक

इस उम्र में बच्चे तेजी से विकसित होते हैं और शारीरिक गतिविधियों में भी वृद्धि होती है। इस दौरान बच्चों को अखरोट, बादाम, काजू, पिस्ता, किशमिश और अंजीर जैसे ड्राई फ्रूट्स दिए जा सकते हैं। अखरोट और बादाम को छोटे–छोटे टुकड़ों में काटकर दिया जा सकता है ताकि बच्चे आसानी से खा सकें। इसके अलावा, बच्चों को मिक्स ड्राई फ्रूट्स के रूप में भी दिया जा सकता है, जिससे वे अलग–अलग स्वाद का अनुभव कर सकें। आप इन ड्राई फ्रूट्स को मिठाइयों, हलवे या खीर में मिलाकर भी बच्चों को दे सकते हैं, जिससे उनका स्वाद बढ़े और बच्चों को यह खाने में मजा आए। इस उम्र में बच्चों की कैलोरी की जरूरत भी ज्यादा होती है, और ड्राई फ्रूट्स से उन्हें अतिरिक्त ऊर्जा मिलती है, जो उनके विकास के लिए आवश्यक है।

5 साल और उससे ऊपर

5 साल की उम्र के बाद बच्चे अधिकांश ड्राई फ्रूट्स को आसानी से पचा सकते हैं और खा सकते हैं। इस उम्र के बच्चों को बादाम, अखरोट, काजू, पिस्ता, किशमिश, अंजीर और पिपरमेंट ड्राई फ्रूट्स दिए जा सकते हैं। इन ड्राई फ्रूट्स को बच्चों के स्नैक्स के रूप में दिया जा सकता है, या फिर बच्चों के लिए खासे व्यंजन जैसे हलवा, खीर, लड्डू, बर्फी आदि में मिलाकर भी दिया जा सकता है। इस उम्र में बच्चों की गतिविधियां बढ़ जाती हैं और वे खेल कूद, पढ़ाई, और अन्य गतिविधियों में भाग लेते हैं, जिनके लिए उन्हें अधिक पोषण की आवश्यकता होती है। ड्राई फ्रूट्स उनके विकास और ऊर्जा के स्तर को बनाए रखने में मदद करते हैं। इसके अलावा, ड्राई फ्रूट्स से बच्चों के मस्तिष्क और हड्डियों के विकास में भी मदद मिलती है।

ड्राई फ्रूट्स कैसे खिलाएं?

पाउडर बनाकररू छोटे बच्चों को सूखे मेवों का पाउडर बनाकर दूध या दलिया में मिलाकर देना बहुत फायदेमंद होता है। इस पाउडर में बादाम, काजू, अखरोट, और पिस्ता जैसे ड्राई फ्रूट्स हो सकते हैं। यह पाचन को सही रखने में मदद करता है और बच्चे को ऊर्जा प्रदान करता है। आप इसे किसी भी अन्य भोजन में भी मिला सकते हैं, जिससे बच्चे का पोषण बेहतर हो सके।

छोटे टुकड़ों में काटकर

जब बच्चे थोड़ा बड़े हो जाते हैं, तो आप सूखे मेवों को छोटे–छोटे टुकड़ों में काटकर दे सकते हैं। जैसे कि बादाम, पिस्ता, काजू, और किशमिश को छोटे टुकड़ों में काटकर बच्चों को खाने के लिए दें। इससे बच्चों को इन्हें खाने में आसानी होती है और वे खुद से इसे चबाकर खा सकते हैं, जो उनके मुँह और दांतों के लिए भी अच्छा होता है।

स्नैक्स के रूप में

बच्चों को ड्राई फ्रूट्स का मिश्रण स्नैक्स के रूप में दिया जा सकता है। आप मिक्स ड्राई फ्रूट्स जैसे कि बादाम, काजू, पिस्ता, किशमिश और अखरोट का मिश्रण बना सकते हैं, और बच्चों को छोटे–छोटे समय पर उन्हें खिलाने के लिए दे सकते हैं। यह न सिर्फ स्वादिष्ट होता है, बल्कि उनकी सेहत के लिए भी बहुत लाभकारी है, क्योंकि इसमें भरपूर मात्रा में प्रोटीन, विटामिन और खनिज होते है।

मिठाइयों में मिलाकर

बच्चों को सूखे मेवों का सेवन करने के लिए आप उन्हें मिठाइयों के रूप में भी दे सकते हैं। आप ड्राई फ्रूट्स को हलवा, खीर, लड्डू, बर्फी या यहां तक कि चॉकलेट में मिलाकर बच्चों को दे सकते हैं। इससे बच्चों को स्वाद और सेहत का बेहतरीन मिश्रण मिलता है। इन मिठाइयों में ड्राई फ्रूट्स के साथ शक्कर की मात्रा कम रखें ताकि बच्चों को अधिक मीठा न मिले और उनका वजन भी कंट्रोल में रहे।

गर्मियों में ड्राई फ्रूट्स का पानी

गर्मियों में सूखे मेवों को पानी में भिगोकर बच्चों को देने से भी उन्हें ठंडक मिलती है और उनकी सेहत भी बनी रहती है। बादाम और किशमिश को रातभर पानी में भिगोकर सुबह बच्चों को खिलाने से पाचन तंत्र बेहतर रहता है और शरीर में ताकत बनी रहती है। यह तरीका बच्चों के लिए स्वादिष्ट और सेहतमंद होता है।

ड्राई फ्रूट्स के फायदे

हृदय स्वास्थ्य के लिएः ड्राई फ्रूट्स जैसे बादाम, अखरोट और काजू में अच्छे फैटी एसिड होते हैं, जो बच्चों के हृदय के स्वास्थ्य को बनाए रखते हैं।

दिमागी विकासः अखरोट और बादाम में ओमेगा–3 फैटी एसिड होते हैं, जो मस्तिष्क के विकास के लिए फायदेमंद होते हैं।

ऊर्जा का स्रोतः ड्राई फ्रूट्स बच्चों को अतिरिक्त ऊर्जा प्रदान करते हैं, जो उन्हें सक्रिय और स्वस्थ बनाए रखते हैं।

पाचन में सुधारः किशमिश, बादाम और पिस्ता पाचन में सुधार करने में मदद करते हैं और कब्ज की समस्या को दूर रखते हैं।

त्वचा और बालों के लिएः ड्राई फ्रूट्स में विटामिन म और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो बच्चों की त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाते हैं और बालों को भी मजबूत करते हैं।

ड्राई फ्रूट्स बच्चों के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं, बशर्ते इन्हें सही मात्रा और सही तरीके से खिलाया जाए। बच्चों को उनकी उम्र के अनुसार ड्राई फ्रूट्स देना उनके विकास के लिए एक अच्छा कदम हो सकता है। यह न सिर्फ उन्हें जरूरी पोषक तत्व प्रदान करता है, बल्कि उनके शरीर और मस्तिष्क के विकास में भी मदद करता है। इस प्रकार, बच्चों को स्वस्थ और तंदुरुस्त रखने के लिए ड्राई फ्रूट्स को उनकी डाइट में शामिल करें।

तेजी से टूटने लगेंगे बाल, अगर कॉम्ब करते समय करेंगी ये गलतियां

बालों की देखभाल करना हर महिला की प्राथमिकता होती है, क्योंकि बाल न केवल हमारी सुंदरता का हिस्सा होते हैं, बल्कि हमारी सेहत और पर्सनल केयर का भी एक अहम हिस्सा होते हैं। लेकिन बालों का टूटना एक आम समस्या है, जो कई कारणों से हो सकती है। बालों के टूटने का एक कारण गलत तरीके से बालों को कंघी करना भी हो सकता है। सही तरीका जानने से आप बालों को टूटने से बचा सकती हैं। यहां हम आपको बता रहे हैं कि बालों को कंघी करते समय कौन सी गलतियां नहीं करनी चाहिए, ताकि आपके बाल सुरक्षित रहें और टूटने से बचें।

गीले बालों को कभी भी रफली न कंघी करें

सबसे पहली और सबसे बड़ी गलती गीले बालों को कंघी करने की होती है। गीले बालों की स्ट्रैंड्स काफी नाजुक होती हैं और इस समय अगर आप उन पर ज्यादा जोर डालती हैं, तो बालों का टूटना स्वाभाविक है। जब बाल गीले होते हैं, तो वे अपनी प्राकृतिक बनावट से अधिक लचीले होते हैं, जिससे कंघी करने पर आसानी से टूट जाते हैं। गीले बालों को कंघी करने से पहले उन्हें हल्का सूखने दें या फिर तौलिए से थपथपाकर अतिरिक्त पानी निकाल लें। फिर, बालों को धीरे–धीरे और हल्के हाथों से कंघी करें।

कंघी को बहुत जोर से खींचना

अक्सर हम जब कंघी करते हैं तो उसे बहुत जोर से खींचते हैं ताकि बाल सीधी हो जाएं, लेकिन यह बालों को नुकसान पहुंचाता है। कंघी के ज्यादा जोर लगाने से बालों की जड़ें कमजोर हो सकती हैं और बाल टूट सकते हैं। साथ ही, यह बालों के टूटने के साथ–साथ सिर में दर्द का कारण भी बन सकता है। कंघी को हल्के हाथों से बालों के ऊपर चलाएं और ध्यान रखें कि बालों में कोई गड्ढा न हो। अगर बाल उलझे हुए हैं तो पहले हाथों से बालों को सुलझाएं और फिर कंघी करें।

गलत प्रकार की कंघी का चयन

बालों के प्रकार के अनुसार कंघी का चयन करना भी जरूरी है। यदि आप कड़े और मोटे दांतों वाली कंघी का इस्तेमाल करती हैं, तो यह आपके बालों को बिना किसी नुकसान के कंघी करने में मदद कर सकती है। वहीं, अगर आपके पास महीन और पतले दांतों वाली कंघी है, तो यह आपके बालों को नुकसान पहुंचा सकती है। यह कंघी बालों में उलझन डाल सकती है और बाल टूटने का खतरा बढ़ा सकती है। अगर आपके बाल लंबे हैं या घने हैं, तो मोटे दांतों वाली कंघी का इस्तेमाल करें। वहीं, अगर आपके बाल पतले हैं, तो महीन दांतों वाली कंघी का प्रयोग करें।

बालों को बार–बार कंघी करना

कभी–कभी हम बालों को बार–बार कंघी करने की गलती करती हैं। जब आप बार–बार बालों को कंघी करती हैं, तो इससे बालों की जड़ें कमजोर हो जाती हैं, जिससे बाल टूटने का खतरा बढ़ जाता है। बालों को दिन में 2 से 3 बार से ज्यादा कंघी न करें। बालों को कंघी करने से पहले यह सुनिश्चित करें कि आपके बालों में कोई गड्ढा न हो और कंघी करने से बाल आसानी से सुलझ जाएं।

बालों के उलझने पर जोर से खींचना

बालों का उलझना एक आम समस्या है, लेकिन अगर आप उलझे हुए बालों को कंघी करने के लिए ज्यादा जोर लगाती हैं, तो यह बालों के टूटने की वजह बन सकता है। उलझे हुए बालों को कंघी करते वक्त कभी भी ज्यादा बल नहीं लगाना चाहिए, क्योंकि इससे बालों की जड़ें कमजोर हो सकती हैं और बाल आसानी से टूट सकते हैं। उलझे हुए बालों को हल्के हाथों से सुलझाएं। आप बालों को आर्गेनिक हेयर ऑयल या कंडीशनर से सुलझाने का प्रयास कर सकती हैं, ताकि कंघी करते समय बाल टूटने से बचें।

गंदे बालों को कंघी करना

यह समझना जरूरी है कि अगर आपके बाल गंदे हैं, तो उन्हें कंघी करना बालों के लिए नुकसानदायक हो सकता है। गंदे बालों में तेल, धूल और अन्य प्रदूषक तत्वों का जमाव हो सकता है, जिससे कंघी करने पर बाल कमजोर हो सकते हैं और टूट सकते हैं। हमेशा साफ बालों को कंघी करें। अगर आप लंबे समय तक बालों को बिना धोए रखती हैं, तो बालों में अधिक गंदगी और तेल जमा हो सकता है, जिससे बाल टूटने का खतरा बढ़ जाता है।

खराब क्वॉलटि की कंघी का उपयोग

खराब क्वॉलटि की कंघी का उपयोग करने से बालों में खिंचाव आ सकता है, जिससे बाल टूटने की संभावना बढ़ जाती है। प्लास्टिक कंघी या उन कंघियों का इस्तेमाल करें जो बालों के लिए मुलायम और सुरक्षित हों। कंघी का चयन करते वक्त उसकी गुणवत्ता पर ध्यान दें। लकड़ी या सिलिकॉन कंघी का उपयोग बालों के लिए बेहतर रहता है, क्योंकि ये बालों को नुकसान नहीं पहुंचातीं।

बालों के ताजे शेप के बाद कंघी न करना

अगर आप बालों को सैलून से ताजे शेप में कटवाकर आई हैं, तो कोशिश करें कि उस दिन बालों को कंघी न करें। बालों को शेप में कटवाने के बाद उन्हें कुछ समय आराम देने देना चाहिए। कंघी करने से बालों का शेप बिगड़ सकता है और बाल टूटने की संभावना बढ़ सकती है। बालों को कंघी करने से पहले यह सुनिश्चित करें कि वे ठीक से सुख जाएं और शेप परिपूर्ण हो।

बालों की देखभाल में कंघी करना एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन इसे सही तरीके से करना जरूरी है। गीले बालों को रफली कंघी करने, कंघी को ज्यादा जोर से खींचने, गलत कंघी का उपयोग करने या बालों को बार–बार कंघी करने से बालों की सेहत पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। इन छोटी–छोटी बातों का ध्यान रखकर आप बालों को टूटने से बचा सकती हैं और उन्हें लंबा, घना और सुंदर बना सकती हैं।

संक्षिप्त

डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना की शक्ति एआई के साथ उपयोग करने पर हो जाती है 100 गुना : वैष्णव

मुंबई, एजेंसी। केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि अगर आधार जैसे डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे का इस्तेमाल कृत्रिम मेधा (एआई) उपकरण के साथ किया जाए तो इसकी ताकत 100 गुना बढ़ सकती है। आईटी उद्योग निकाय नैसकॉम के प्रौद्योगिकी और नेतृत्व मंच एनटीएलएफ 2025 में वैष्णव ने कहा कि सरकार ने पहले ही डीपीआई (डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे) के साथ एआई उपकरणों का उपयोग शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा, "जब हम एआई का उपयोग करते हैं तो डीपीआई की शक्ति वास्तव में 10, 20 या 100 गुना हो सकती है।" मंत्री ने कहा कि यदि चीन 'डीपसीक' आधारभूत एआई मॉडल बना सकता है, तो कोई कारण नहीं है कि भारत जैसा देश, जिसने चंद्रमा तक पहुंचने के लिए किफायती नवोन्मेष किया है, कम लागत पर ऐसा ही मॉडल क्यों न बना सके। उन्होंने कहा कि अपना स्वयं का वृहद मॉडल बनाने के लिए सरकार द्वारा प्रवर्तित योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है। उन्होंने भारत के स्टार्टअप द्वारा अपना मॉडल विकसित करने में विश्वास भी जताया। वैष्णव ने कहा कि भारत यूरोपीय देशों की तरह कठोर रुख अपनाने के बजाय विनियमन के लिए प्रौद्योगिकी–कानूनी दृष्टिकोण अपना रहा है। मंत्री ने कहा कि जापान ने भारत में विकसित एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) को पेटेंट दिया है।

यूक्रेन आक्रमण के तीसरे वर्ष में भारत ने 49 अरब यूरो मूल्य का रूसी तेल किया आयात

नयी दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के तीसरे सबसे बड़े तेल उपभोक्ता और आयातक भारत ने यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के तीसरे वर्ष में रूस से 49 अरब यूरो मूल्य का कच्चा तेल खरीदा है। भारत पारंपरिक रूप से पश्चिम एशिया से अपना तेल खरीदता रहा है। हालांकि उसने फरवरी 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण के तुरंत बाद रूस से बड़ी मात्रा में तेल आयात करना शुरू कर दिया। इसका मुख्य कारण यह है कि पश्चिमी प्रतिबंधों और कुछ यूरोपीय देशों द्वारा खरीद से परहेज के कारण रूसी तेल अन्य अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क की तुलना में काफी छूट पर उपलब्ध था। इसके परिणामस्वरूप भारत के रूसी तेल आयात में वृद्धि हुई, जो कुल कच्चे तेल आयात के एक प्रतिशत से बढ़कर अल्प अवधि में 40 प्रतिशत तक पहुंच गया। ऊर्जा एवं स्वच्छ वायु अनुसंधान केंद्र ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट में कहा, " आक्रमण के तीसरे वर्ष में नए बाजारों पर रूस की पकड़ मजबूत हुई है। तीन सबसे बड़े खरीदार चीन (78 अरब यूरो), भारत (49 अरब यूरो) और तुर्किये (34 अरब यूरो) रहे। आक्रमण के तीसरे वर्ष में जीवाश्म ईंधन से रूस के कुल राजस्व में इनकी हिस्सेदारी 74 प्रतिशत रही।" इसमें कहा गया भारत के आयात मूल्य में सालाना आधार पर आठ प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। आक्रमण के तीसरे वर्ष में रूस की कुल वैश्विक जीवाश्म ईंधन आय 242 अरब यूरो तक पहुंच गई और यूक्रेन पर आक्रमण के बाद से यह कुल 847 अरब यूरो हो गई है। भारत की कुछ रिफाइनरियों ने रूसी कच्चे तेल को पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधन में परिवर्तित कर दिया, जिसे यूरोप तथा अन्य जी–7 देशों को निर्यात किया गया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

असम की अर्थव्यवस्था 2030 तक 143 अरब अमेरिकी डॉलर की होगी : हिमंत

गुवाहाटी, एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि 2030 तक असम की अर्थव्यवस्था 143 अरब डॉलर की हो जाएगी। उन्होंने निवेशकों से राज्य की विकास यात्रा हिस्सा बनने का आग्रह भी किया। यहां दो दिवसीय 'एडवांटेज' असम 2.0 निवेश और अवसंरचना शिखर सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में शर्मा ने इस बात पर जोर दिया कि राज्य अब "सबसे अशांत" से "सबसे शांत" राज्य बन गया है।

उन्होंने दावा किया, "इस साल राज्य की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि 15.2 प्रतिशत होगी। यह 2030 तक 143 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा।" शर्मा ने 60 से अधिक देशों के मिशन प्रमुखों और राजदूतों, विदेशी व्यापार प्रतिनिधिमंडलों और देश के उद्योग जगत के नेताओं की मौजूदगी में कहा, " मैं आज आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि हम असम में उद्योगों की स्थापना के लिए सबसे अच्छा काम और अनुकूल माहौल सुनिश्चित करेंगे। कृपया यहां आएं और निवेश करें।"

'कोहली से बेहतर वनडे खिलाड़ी नहीं देखा', रिकी पोंटिंग ने विराट की तारीफ में पढ़े कसीदे

दुबई, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर तारीफ की है। पोंटिंग ने कहा है कि उन्होंने वनडे में कोहली से बेहतर खिलाड़ी नहीं देखा है। पोंटिंग का मानना है कि कोहली 50 ओवर के प्रारूप में सर्वाधिक रन बनाने के मामले में सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड पीछे छोड़ने में सफल होंगे। कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद 100 रनों की पारी खेली थी। यह उनके वनडे करियर का 51वां शतक था।

सचिन से फिलहाल 4000 रन पीछे हैं कोहली

कोहली पाकिस्तान के खिलाफ मैच के दौरान सबसे तेजी से वनडे में 14000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बने थे। उन्होंने इस मामले में सचिन को पीछे छोड़ दिया था। कोहली दुनिया के तीसरे बल्लेबाज हैं जिन्होंने इस प्रारूप में 14000 रनों का आंकड़ा छूआ है। उनके अलावा सचिन और श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगाकारा ही इस उपलब्धि तक पहुंचे हैं। कोहली के वनडे में फिलहाल 14085 रन हैं और वह सचिन से 4341 रन पीछे हैं। सचिन के नाम वनडे में 18426 रन बनाने का रिकॉर्ड है। पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू कार्यक्रम में कहा, मुझे नहीं लगता कि मैंने कोहली के अलावा वनडे में इतना अच्छा खिलाड़ी देखा है। उन्होंने रन बनाने के मामले में मुझे पीछे छोड़ दिया है और अब उनसे दो बल्लेबाज ही आगे हैं। मुझे यकीन है कि वह चाहेंगे कि उनका नाम सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शामिल रहे।

पोंटिंग बोले– कोहली में रन बनाने की भूख बाकी

पोंटिंग का कहना है कि कोहली के लिए यह असंभव कार्य नहीं है। उन्होंने कहा, शारीरिक रूप से कोहली फिट हैं और वह अपने खेल पर काफी मेहनत भी कर रहे हैं। कोहली लंबे समय से काफी अच्छा कर रहे हैं, लेकिन सचिन को पीछे छोड़ने के लिए उन्हें अभी भी 4000 रन और बनाने हैं। यह दिखाता है कि सचिन कितने शानदार बल्लेबाज थे, लेकिन यह इसलिए भी था क्योंकि वह लंबे समय तक इस खेल को खेलते रहे। कोहली जैसे खिलाड़ी को आप नजरअंदाज नहीं कर सकते। उनमें रन बनाने की भूख बाकी है, इसलिए जब बात सचिन को पीछे छोड़ने की हो तो मैं उन्हें नजरअंदाज नहीं कर सकता।

पोंटिंग ने कोहली को बताया बड़े मैच का खिलाड़ी

पोंटिंग ने कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ मैच में कोहली अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं। इस पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने कोहली को बड़े मैच का खिलाड़ी बताया। पोंटिंग ने कहा, 2022 टी20 विश्व कप और अब, कोहली उस टीम के खिलाफ मजबूती से डटे रहे। जब पाकिस्तान उस पिच पर बल्लेबाजी कर रहा था तो उन्हें कोहली जैसे ही एक मैच विजेता खिलाड़ी की शीर्ष क्रम में जरूरत थी। एक बार फिर कोहली ने अपना काम किया। वह लंबे समय से चैंपियन खिलाड़ी है और विशेषकर सीमित ओवर के प्रारूप में जहां वह 50 ओवर के प्रारूप के अविश्वनीय रूप से सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हैं। पोंटिंग ने कहा कि कोहली के शतक ने भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबले में अंतर पैदा किया। उन्होंने कहा, आप दोनों के स्कोरकार्ड देखें, विराट ने शतक लगाया और पाकिस्तान के कई स्टार खिलाड़ी बड़ा स्कोर बनाए बिना ही आउट हुए। मैंने हमेशा कहा है कि खेल के किसी भी प्रारूप में अर्धशतक आपको या टीम को जीत नहीं दिलाता। आपको बड़े स्कोर बनाने होंगे। कोई खिलाड़ी का बड़ा स्कोर तो छोड़ा, बड़ी साझेदारी भी नहीं हुई।

16 साल में पहली बार ग्रुप चरण से बाहर हुई मेजबान टीम, गत चैंपियन पाकिस्तान से कहां हुई चूक?

नई दिल्ली। गत चैंपियन और मेजबान पाकिस्तान का सफर चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में ग्रुप चरण में ही थम गया है। न्यूजीलैंड की बांग्लादेश पर पांच विकेट से जीत के साथ ही पाकिस्तान की सभी उम्मीदें खत्म हो गई और ग्रुप ए से भारत तथा न्यूजीलैंड सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रहे। मोहम्मद रिजवान की अगुआई वाली पाकिस्तान टीम शुरुआत के दोनों ही मुकाबले में चुनौती पेश नहीं कर सकी और उसने कई गलतियां की जिसका खामियाजा भुगतना पड़ा। दिलचस्प बात यह है कि 19 फरवरी को इस आईसीसी टूर्नामेंट की शुरुआत हुई और छह दिन बाद ही मेजबान टीम का सफर खत्म हो गया।

सईम की चोट ने डाला असर

पाकिस्तान को टूर्नामेंट शुरू होने से पहले उस वक्त झटका लगा था जब उसके स्टार ओपनर सईम अयूब चोट से उबर नहीं सके और चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए। उनकी जगह टीम में शामिल किए गए फखर जमां न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मैच की दूसरी ही गेंद पर फील्डिंग के दौरान चोटिल हो गए जिससे भारत के खिलाफ मैच के लिए उपलब्ध नहीं हो सके। गेंदबाजी विभाग भी उतना प्रभावशाली नहीं रहा क्योंकि तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी और नसीम शाह विपक्षी टीम के बल्लेबाजों के लिए परेशानी खड़ी नहीं कर सके।

पाकिस्तान की टीम में अबरार अहमद के तौर पर सिर्फ एक विशेषज्ञ गेंदबाज था, लेकिन उनका समर्थन करने के लिए दूसरे छोर पर स्पिनर की कमी थी। यह भी पाकिस्तान के खराब प्रदर्शन का एक कारण रहा। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले पाकिस्तान ने अपने घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका और पाकिस्तान के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज में हिस्सा लिया था, लेकिन फाइनल में उसे हार मिली थी।

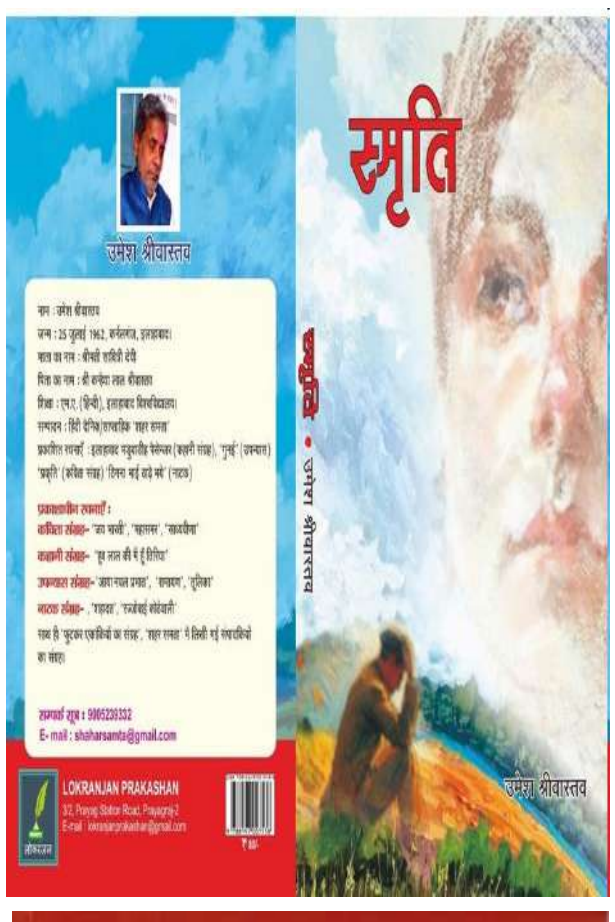

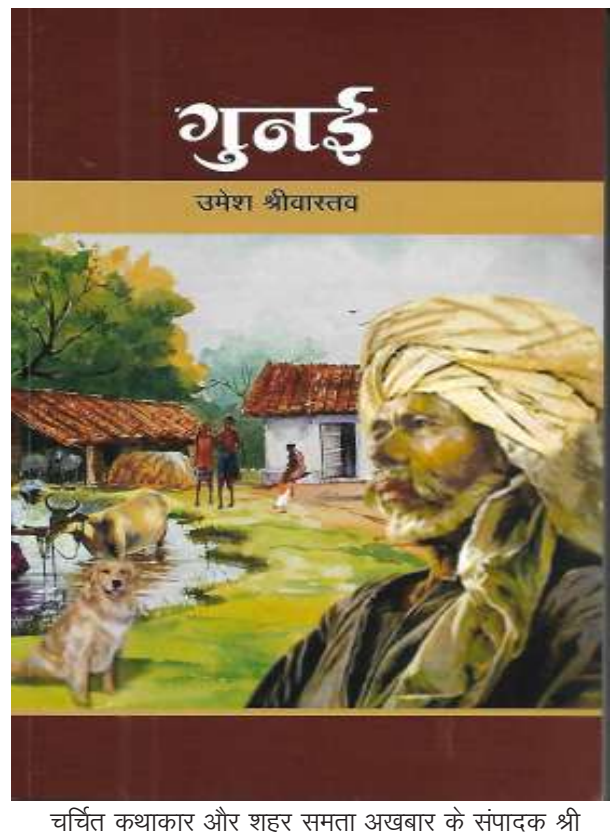

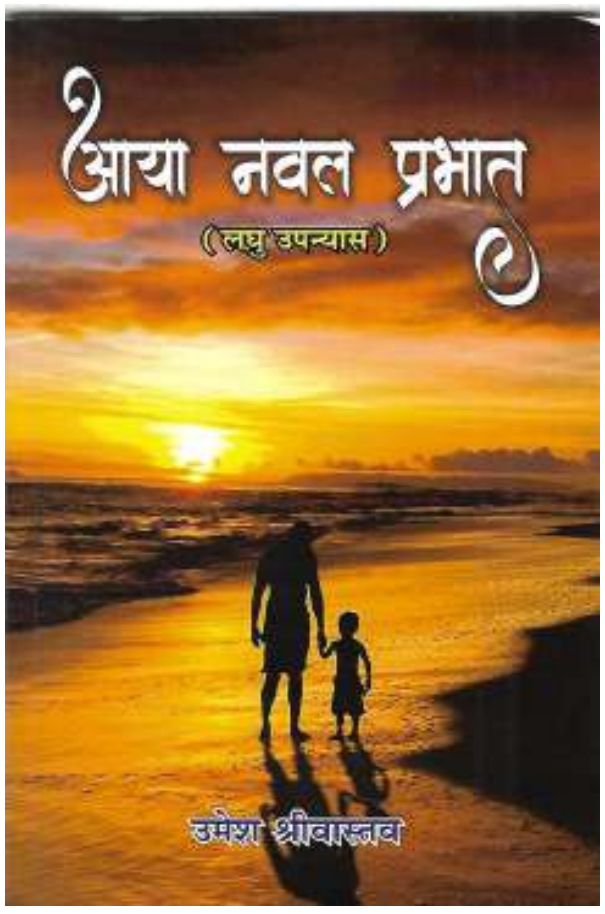

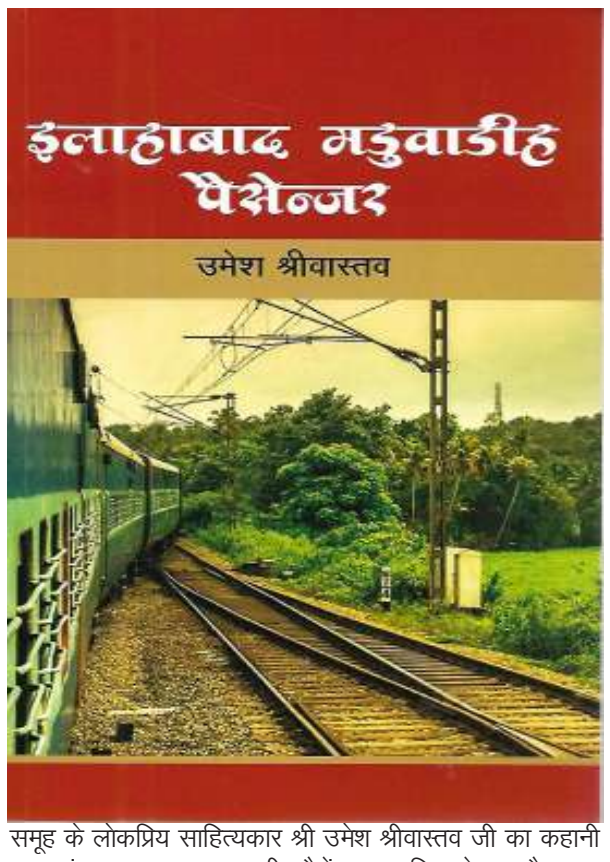

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

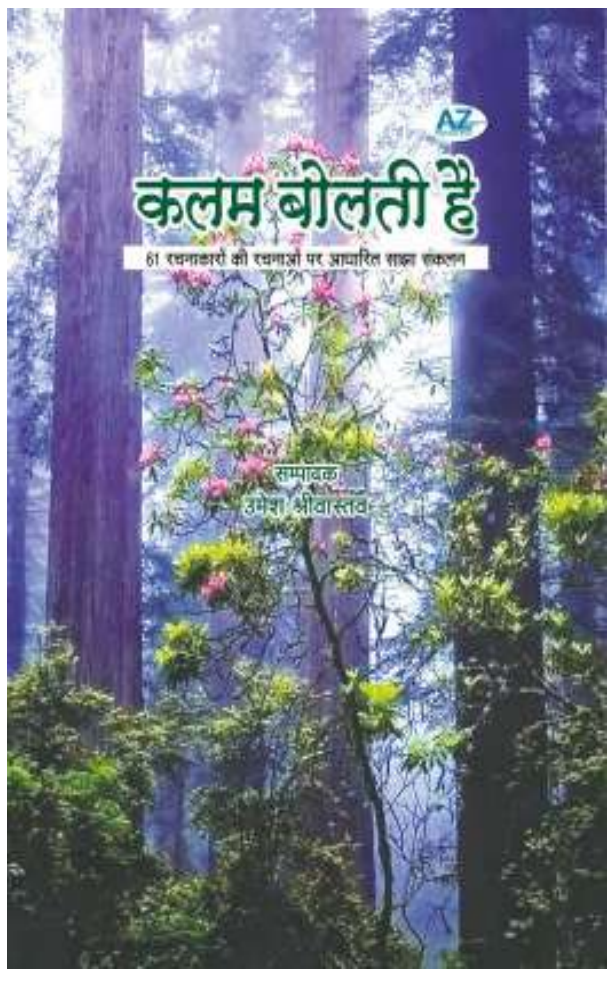

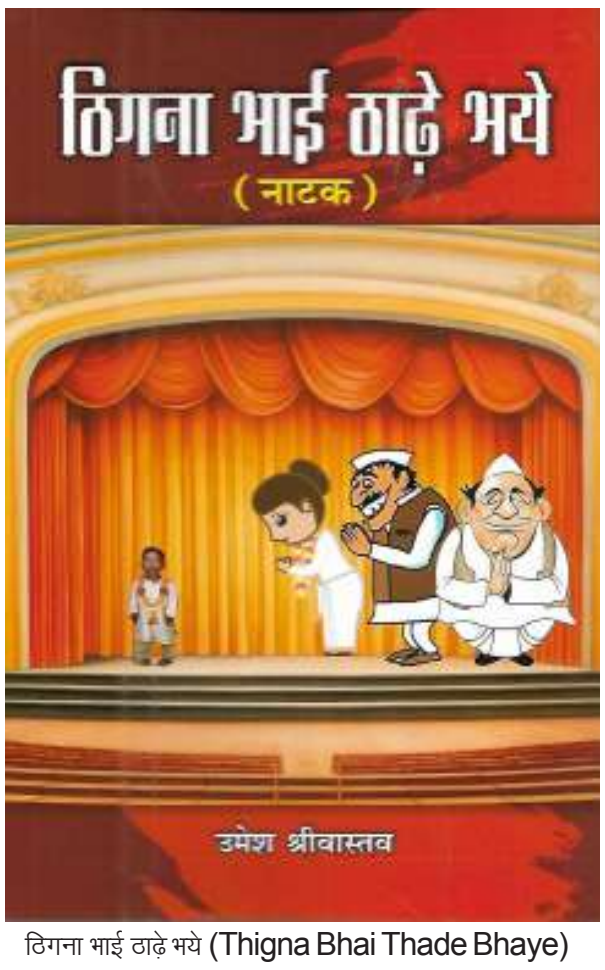

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

ॐ तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमहि।
तन्नो रुद्रः प्रचोदयात्॥
दिव्य-भव्य-डिजिटल
एकता का महाकुम्भ
महाकुम्भ 2025
प्रयागराज में
महा शिवरात्रि
पर पुण्य स्नान
26 फरवरी, 2025
एकता के
महाकुम्भ
में अब तक
64 करोड़+
श्रद्धालु
महाकुम्भ में शपथ महान, एक रहेगा हिन्दुस्थान
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
mahakumbh_25/
upmahakumbh
MahaKumbh_2025
https://kumbh.gov.in/
आपकी सेवा में तत्पर-हेल्पलाइन नंबर
1920 महाकुम्भ मेला
112 इमरजेंसी सर्विस
1010 खाद्य एवं रसद
102, 108 एम्बुलेंस सेवा
18004199139 रेलवे सेवा